दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 249/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2।10

संस्थापक- स्व। सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, सोमवार 14 अप्रैल 2025 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर पीएम मोदी बोले

आंबेडकर के सिद्धांत आत्मनिर्भर भारत को गति देंगे, राष्ट्रपति ने भी किया नमन

नई दिल्ली। डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर सोमवार को संसद भवन परिसर में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि आंबेडकर के सिद्धांत और विचार आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण को गति देंगे। उनकी प्रेरणा के

कारण ही देश सामाजिक न्याय के सपने को साकार करने के लिए समर्पित है। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने भी आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान केंद्रीय मंत्री, सांसद और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए मौजूद थीं। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि डॉ. भीमराव शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन और दलितों के सशक्तीकरण के लिए एक महत्वपूर्ण साधन मानते थे। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब विलक्षण योग्यता और बहुमुखी व्यक्तित्व के धनी थे। वह एक अर्थशास्त्री, शिक्षाविद्, कानूनविद और महान समाज सुधारक थे। वे समतावादी समाज के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने महिलाओं और वंचित वर्गों के आर्थिक और सामाजिक अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष किया।

हरियाणा के हिसार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा

कांग्रेस किसी मुस्लिम को अध्यक्ष बनाए, वक्फ कानून ठीक होता तो मुसलमान पंचर नहीं बनाते

हिसार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुबह करीब 10 बजे हिसार में हरियाणा के पहले एयरपोर्ट का उद्घाटन किया। यहां से हिसार-अयोध्या फ्लाइट को हरी झंडी दिखाई। इसके बाद उन्होंने एयरपोर्ट पर ही जनसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा, देश आजाद होने के बाद 2013 तक वक्फ का कानून चलता था।

2013 में कांग्रेस ने कानून में संशोधन कर दिया, ताकि चुनाव में वोट पा सकें। कानून को ऐसा बना दिया कि बाबा साहब के संविधान की ऐसी-तैसी कर दी। इसका सही उपयोग होता तो मुसलमानों को साइकिल के पंचर बनाने की जरूरत नहीं होती। उन्होंने कहा, कांग्रेस कहती है कि ऐसा मुसलमानों के हित में किया। मैं पूछना चाहता हूं कि अगर सच्चे मन से मुसलमानों के लिए थोड़ी भी हमदर्दी है तो कांग्रेस पार्टी अपनी पार्टी का अध्यक्ष किसी मुसलमान को बनाए, लेकिन इनके नेता ऐसा कुछ नहीं करेंगे। ये सिर्फ देश के नागरिकों के अधिकारों को छीनना चाहते हैं।

कांग्रेस ने संविधान को सत्ता हासिल करने का हथियार बना दिया

उन्होंने कहा, कांग्रेस ने हमारे पवित्र संविधान को सत्ता हासिल करने का एक हथियार बना दिया है। जब-जब कांग्रेस को सत्ता का संकट दिखा, उन्होंने संविधान को कुचल दिया। कांग्रेस ने संविधान की स्पिरिट को कुचला। संविधान की भावना है कि सबके लिए एक जैसी नागरिक संहिता हो, जिसे मैं कहता हूं यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी), लेकिन कांग्रेस ने इसे लागू नहीं किया। उत्तराखंड में भाजपा सरकार आने के बाद यूसीसी डंके की चोट पर लागू हुआ। संविधान को जेब में लेकर बैठे कांग्रेस के लोग उसका विरोध कर रहे हैं।

हवाई चप्पल पहनने वाला भी जहाज में उड़ेगा

पीएम मोदी ने कहा, अब श्रीकृष्ण जी की पावन भूमि हरियाणा, श्रीराम जी की भूमि अयोध्या से सीधी जुड़ गई है। बहुत जल्द हिसार से दूसरे शहरों के लिए भी उड़ानें शुरू होंगी। मेरा वादा रहा है कि हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई जहाज में उड़ेगा। 10 सालों में करोड़ों भारतीयों ने जीवन में पहली बार हवाई सफर किया है। हमने वहां भी नए एयरपोर्ट बनाए, जहां कभी अच्छे रेलवे स्टेशन तक नहीं थे। 2014 से पहले देश में 74 एयरपोर्ट थे, 70 साल में 74। आज देश में एयरपोर्ट की संख्या 150 के पार हो गई है।

युवाओं को नौकरी न मिले, इसलिए कांग्रेस ने एड़ी-चोटी का जोर लगाया

पीएम मोदी ने कहा, कांग्रेस ने बाबा साहब आंबेडकर और चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न नहीं दिया था। इन्हें भारत रत्न तब मिला, जब केंद्र में भाजपा के समर्थन की सरकार आई। साथियों, सामाजिक न्याय और गरीब कल्याण के पथ को हरियाणा की भाजपा सरकार भी निरंतर सशक्त कर रही है। सरकारी नौकरियों की भी हरियाणा में क्या हालत थी, आप सबको पता है। लोग कहते थे कि नौकरी लगनी है तो किसी नेता के साथ हो लो। नौकरी के लिए बापू की जमीन और मां के जेवर तक बिक जाया करते थे, लेकिन हमारी नायब सिंह सैनी की सरकार ने इसका इलाज कर दिया है। बिना पर्ची, बिना खर्ची के आधार पर यहां की सरकार नौकरियां दे रही है।

आंबेडकर ने सर्वहारा समानता के लिए आरक्षण दिया: सीएम

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा- डॉ. भीमराव आंबेडकर ने सर्वहारा वर्ग की समानता के लिए आरक्षण लागू कराया। उन्होंने संविधान में वो सभी जरूरी प्रावधान जोड़ने का काम किया, जो देश के भविष्य के लिए समस्या बन सकते हैं। सीएम ने कहा कि कांग्रेस ने बाबासाहब के योगदान को नकारा। उन्हें लोकसभा चुनाव नहीं जीतने दिया। कांग्रेस इसके लिए क्षमा मांगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आंबेडकर के जन्मस्थान से दिल्ली आने-जाने के लिए ट्रेन की शुरुआत की है। हमारी सरकार ने भी अंबेडकर जी के सिद्धांत अपनाते हुए सर्वहारा वर्ग के लिए कई योजनाएं बनाई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया पर अपने संदेश में कहा है कि डॉ. बाबासाहब भीमराव आंबेडकर ने समता, स्वतंत्रता और सामाजिक न्याय के मूल्यों से भारत के नवनिर्माण की नींव को मजबूत किया। आपके विचार, संघर्ष और नेतृत्व सभी भारतीयों के लिए आत्मगौरव का प्रतीक हैं, जो हमें विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की सतत प्रेरणा देते रहेंगे। उल्लेखनीय है कि डॉ. आम्बेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को इन्दौर जिले के महू में हुआ था। उनका अवसान 6 दिसम्बर 1956 को दिल्ली में हुआ। वर्ष 1990 में, उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से मरणोपरान्त सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री ने दी डॉ. आंबेडकर कामधेनु योजना की सौगात, बुद्ध वंदना में हुए शामिल

हितग्राहियों को मिलेगी 25 से 33 प्रतिशत तक सब्सिडी, पहले आओ पहले पाओ के आधार पर चयन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने डॉ. भीमराव आंबेडकर कामधेनु योजना की सौगात दी है। देश में दूध, दुग्ध उत्पादों की बढ़ती मांग, उनकी आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री उद्यमिता विकास कार्यक्रम की स्थापना होनी है। डॉ. भीमराव आंबेडकर कामधेनु योजना के तहत 25 दुधारू पशुओं की इकाईयां स्थापित की जाएंगी। एक इकाई में सारे गौवंश या सारे भैंसवंश होंगे। एक इकाई की सारी गाय-भैंस

एक ही प्रजाति की होंगी। सरकार ने एक इकाई की अधिकतम सीमा राशि 42 लाख रुपये निर्धारित की है। इस योजना में भाग लेने वालों के लिए मध्यप्रदेश का निवासी होना जरूरी है। योजना सभी वर्गों के पशुपालकों के लिए होगी। इसमें पशुपालक की उम्र 21 साल से ऊपर होना जरूरी है। उन्हें अनुभव के लिए सरकारी या सरकार नामित संस्था से डेयरी फार्मिंग का प्रशिक्षण भी लेना होगा। इस प्रशिक्षण के लिए सरकार अलग से निर्देश जारी करेगी। इस योजना के हितग्राहियों को ऑनलाइन आवेदन करना होगा। हितग्राही के पास हर ईकाई के लिए कम के सम 3.50 एकड़ कृषि भूमि होनी जरूरी है। इस भूमि में परिवार की सामूहिक जमीन का भी उपयोग किया जा सकता है। लेकिन, इसके लिए अन्य सदस्यों की सहमति आवश्यक होगी।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने डॉ अनिल गजभिए तथा डॉक्टर सत्यवान मेश्राम द्वारा लिखित पुस्तक- सवैधानिक सामाजिक न्याय एक चिंतन का विमोचन किया।

बाबा अमरनाथ यात्रा के लिए कल से शुरू होगी ऑनलाइन बुकिंग, 533 बैंकों में रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली। इस साल अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होकर 9 अगस्त तक चलेगी। इस बार पूरे 39 दिन भक्तों को बाबा बर्फानी के दर्शन करने का मौका मिलेगा। अधिकारियों ने बताया कि इच्छुक व्यक्ति देश भर में 533 बैंक शाखाओं में रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। इसके लिए आधार कार्ड और हेल्थ सर्टिफिकेट जरूरी होगा। सरकार इस बार यात्रियों के लिए और भी अच्छी सुविधाएं देने वाली है, ताकि यात्रा आराम से हो सके। सुरक्षा का भी पूरा ध्यान रखा जाएगा। अमरनाथ यात्रा भारत की सबसे पवित्र तीर्थयात्राओं में से एक है, जो भक्तों को जम्मू और कश्मीर में पवित्र अमरनाथ गुफा तक ले जाती है।

हर साल देश भर से हज़ारों तीर्थयात्री इस आध्यात्मिक यात्रा में हिस्सा लेते हैं। 2025 में अमरनाथ यात्रा में शामिल होने के लिए पहले से पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करना अनिवार्य है। इस साल, पंजीकरण आधिकारिक तौर पर शुरू हो गया है और अधिकृत बैंकों और श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन और ऑफ़लाइन दोनों तरह से उपलब्ध है। लगभग 15,000 को प्रतिदिन भाग लेने की अनुमति है। इसलिए अंतिम समय की भीड़ से बचने और आवश्यक स्वास्थ्य और आयु मानदंडों को पूरा करने के लिए पहले से पंजीकरण करने की अत्यधिक अनुशंसा की जाती है। पर अक्सर देखा गया है कि शुरुआती दिन में भीड़ का रेला यात्रा की व्यवस्थाओं को भंग करता रहा है।

संघ प्रमुख भागवत बोले- जो खुद को हिंदू कहते हैं उनसे पूछा जाएगा कि उन्होंने समाज के लिए क्या किया

कानपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने आज कहा कि जो खुद को हिंदू कहते हैं उनसे पूछा जाएगा कि उन्होंने समाज के लिए क्या किया आज उनकी जवाबदेही बनती है। वह कारवालों नगर स्थित संघ के केशव भवन का उद्घाटन करने आए थे। पांच दिन के प्रवास पर शहर आए संघ प्रमुख ने कहा कि जब विश्व भर के हिंदू सुरक्षित नहीं थे तब तक वह प्रतिष्ठित भी नहीं थे। हम आपसी मतभेद में उलझे हुए थे, जिसका फायदा विदेशी आक्रांताओं ने उठाया। भारत को लूटा और पीटा भी। भारत में हिंदू समाज के संगठन का कार्य संघ कर रहा है। इस मौके पर उन्होंने केशव भवन का उद्घाटन किया। साथ ही डॉ आंबेडकर सभागार का लोकार्पण और डॉ हेडगेवार की प्रतिमा पर पुष्पांजलि की।

मप्र के 2 कलेक्टर को लापरवाही की सजा तो 3 को सजगता का इनाम!

सुरेश तिवारी

भोपाल। राज्य शासन ने रविवार को भारतीय प्रशासनिक सेवा के 9 अधिकारियों की नई पदस्थापना सूची जारी की। जिन अधिकारियों के तबादले और नई पदस्थापना की गई, वे सामान्य नहीं है। सूची का विश्लेषण किया जाए, तो पाएंगे कि कुछ अधिकारियों को उनकी कार्यप्रणाली की सजा दी गई, तो कुछ को इनाम भी दिया।

उज्जैन कलेक्टर नीरज कुमार सिंह का हटना पिछले कई दिनों से तय माना जा रहा था। बताया जा रहा कि जब शिप्रा के कार्यों का अवलोकन करने के लिए मुख्यमंत्री गए थे तो उन्होंने नदी में गंदगी देखी थी और मुख्यमंत्री इसे लेकर काफी नाराज हुए थे। यही गंदगी कलेक्टर नीरज सिंह को भारी पड़ गई। तभी तय हो गया था, कि वे अब उज्जैन में नहीं रहेंगे।

इसी प्रकार अशोकनगर के कलेक्टर सुभाष कुमार द्विवेदी के तबादले की इबारत उसी दिन लिख दी गई थी, जिस दिन मुख्यमंत्री का अशोकनगर दौरा हुआ था। एक कार्यक्रम के दौरान वे मंच से उतरते समय सीढ़ियों से फिसल गए थे। अब इन दोनों अधिकारियों को लूपलाइन में भोपाल में पदस्थ किया गया है। इन दोनों की पदस्थापना को आप देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि कोई महत्वपूर्ण पद इन्हें नहीं दिए गए। माना जा सकता है कि इन दोनों अधिकारियों को एक तरह से सजा दी गई।

अब जिन अधिकारियों को इनाम दिया गया, उनकी बात करें तो सबसे महत्वपूर्ण दायित्व, मुख्यमंत्री का प्रतिष्ठा प्रसंग है सिंहस्थ 2028 है। नई सूची में इसकी पूरी जवाबदारी इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह के कंधे पर आ गई है। इंदौर कलेक्टर के साथ ही वे उन्हें उज्जैन का मेला अधिकारी पद दिया गया है। सीएम यादव ने यह संदेश दिया कि अब यूपी के पैटर्न पर मेले की प्रशासनिक व्यवस्था होगी। यूपी के प्रयागराज महाकुंभ का मेला अधिकारी IAS अधिकारी विजय किरण आनंद को बनाया गया था, जो पूरी व्यवस्था के जिम्मेदार थे। वहां 2014 बैच के IAS अधिकारी कलेक्टर थे लेकिन सारी जवाबदारी और दायित्व मेला अधिकारी के पास थे।

ऐसा लगता है कि जो भूमिका प्रयागराज में विजय किरण आनंद की थी वहीं अब आशीष सिंह को दी गई। आशीष सिंह 2010 बैच के ट्रूस-अधिकारी और 2015 बैच के रोशन कुमार सिंह को कलेक्टर उज्जैन बनाया गया हैं।

माना जा सकता है कि अब आशीष सिंह इंदौर और उज्जैन के बीच में ही रहेंगे और सिंहस्थ 2028 की सारी जवाबदारी उनके कंधों पर आ गई। इसका उजला पक्ष यह है कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आशीष सिंह के कार्य प्रणाली पर पूरा भरोसा जताया है। सीएम को इस बात का विश्वास है कि आशीष सिंह ही मध्य प्रदेश में वे अधिकारी हैं जो राज्य सरकार के विशेषकर हृरू के व्यक्तिगत प्रतिष्ठा प्रसंग को बेहतर तरीके से सफलतापूर्वक अंजाम दे सकते हैं।

रोशन कुमार सिंह को कलेक्टर विदिशा से कलेक्टर उज्जैन बनाकर यह संदेश दिया है कि वे मुख्यमंत्री के विश्वसनीय अधिकारियों में अग्रणी है।

दूसरी बार ऐसा हो रहा, जब संचालक जनसंपर्क को कलेक्टर बनाया गया है। पहले रोशन कुमार सिंह को कलेक्टर विदिशा बनाया गया था। रोशन कुमार सिंह को तो कुछ ही महीनों में विदिशा से उज्जैन कलेक्टर बनाया जाना यह बताता है कि वे वाया विदिशा उज्जैन ही आने वाले थे। यह बात केवल मोहन यादव ही जानते थे।

अब अंशुल गुप्ता संचालक जनसंपर्क को कलेक्टर विदिशा बनाया गया है। अंशुल गुप्ता भी उज्जैन में पदस्थ रहे हैं और मुख्यमंत्री के विश्वस्त अधिकारियों में जाने जाते हैं। इसीलिए उन्हें शिवराज सिंह चौहान के गृह जिले विदिशा में पदस्थ किया गया। इसके पीछे एक प्रशासनिक एंगल यह भी है कि मुख्यमंत्री विदिशा की कमान पर अंकुश लगाना चाहते हैं।

अपनी मनोदशा को उच्च रखें

इस दुनिया का प्रत्येक आदमी इस मनस्थिति में जीता है कि मैं इस दुनिया का सबसे समझदार व्यक्ति हूँ। मेरे द्वारा संपन्न प्रत्येक कर्म शुभ व श्रेष्ठ है और इस दुनिया को सबसे बेहतर ढंग से चला सकता हूँ तो वह केवल मैं ही हूँ। इसी मनोदशा में जीने वाले रावण ने माँ जानकी का ही हरण कर लिया, धृतराष्ट्र ने दुर्योधन के रूप में अनीति का वरण कर लिया और दुशासन ने अपने ही कुल की मान मर्यादाओं का क्षरण कर दिया व कंस ने अपने ही हाथों अपने भांजों का मरण कर दिया। इस महान भारत में कभी भी महाभारत न हुआ होता अगर मनुष्य इन मनोवृत्तियों का दासत्व स्वीकार नहीं करता। अतः अपनी मनोदशा को सदा सर्वदा उच्च रखने का प्रयत्न करो ताकि आपका जीवन उचित दिशा की ओर अग्रसर हो सके।

झरनेश्वर मंदिर में आयोजित भागवत कथा के लिए निकाली कलशयात्रा

भोपाल। श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन रिछारिया परिवार द्वारा किया जा रहा है। एन के रिछारिया ने बताया कलश यात्रा के साथ ही कथा आरंभ हो गई जो कि झरनेश्वर मंदिर जवाहर चौक पर अयोजित की जा रही है। श्री देवी रिछारिया और सारा रिछारिया परिवार साथ में सभी मित्र मंडली के साथ कथा का श्रवण कर रहे हैं। कथा 13 से 20 अप्रैल तक चलेगी। भंडारा 20 अप्रैल को होगा। सभी रिछारिया परिवार व्यवस्था को संभाल रहे हैं। इस दौरान भागीरथ रिछारिया, विनोद रिछारिया, प्रमोद रिछारिया, प्रवीण रिछारिया, बृज किशोर रिछारिया, प्रकाश रिछारिया, अनिल रिछारिया, राजीव रिछारिया, अंबिकाशरण रिछारिया उपस्थित रहे।

भोपाल। बाबा साहेब डॉ. भीमराव आम्बेडकर की जयंती की पूर्व संध्या पर दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत अंबेडकर नगर स्थित उनकी प्रतिमा की भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी ने साफ-सफाई कर दीप प्रज्वलित किया।

भोपाल। आज शंकराचार्य नगर में भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की 134वी जन्म जयंती की अवसर पर पुष्पांजलि अर्पित की इस अवसर पर पार्षद गीता माली, वार्ड संयोजक दिनेश कुशवाह एवं रहवासी गण उपस्थित रहे।

अस्थिर स्थिति में उम्मीद की किरण बनकर उभर रहा है भारतः आशीषकुमार चौहान

भोपाल। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) के एमडी और सीईओ श्री आशीष कुमार चौहान ने वैश्विक आर्थिक चुनौतियों, निवेशकों की सोच और भविष्य की संभावनाओं के बीच भारतीय बाजार के प्रदर्शन पर इंडिया ग्लोबल फोरम, मुंबई एनएक्सटी25 में अपने विचार साझा किए। अपने उच्चतम स्तर से 1.5 ट्रिलियन डॉलर नीचे आने के बावजूद भारतीय कैपिटल मार्केट में लॉन्ग-टर्म ग्रोथ ट्रेजेक्टरी पर जोर देते हुए श्री चौहान ने कहा, 2014 में भारत का मार्केट कैप 1 ट्रिलियन डॉलर से कम था, और आज यह लगभग 5 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। यह बताता है कि देश में बड़ी मात्रा में संपत्ति का निर्माण हुआ है। विदेशी निवेशकों के बाहर निकलने को लेकर उन्होंने कहा कि ये ट्रेंड वैश्विक ब्याज दरों में बदलाव और उभरते बाजार में जोखिम से बचने की भावना की वजह से देखा जा रहा है। लेकिन भारत की निर्यात संरचना कुछ ऐसी है, जिसकी वजह से यह ग्लोबल टैरिफ तनावों से काफी हद तक सुरक्षित है। उन्होंने बताया कि भारतीय बाजार की मजबूती का एक बड़ा कारण घरेलू रिटेल निवेशक हैं। 6 करोड़ से ज्यादा भारतीय हर महीने सिर्फ 250 रुपए जैसी छोटी राशि से सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) करते हैं। इससे हर महीने बाजार में करीब 2.5-3 बिलियन अमेरिकी डॉलर की स्थायी आमदनी होती है। यह दिखाता है कि भारतीय अब देश के बिज़नेस और एंटरप्रेन्योरशिप पर भरोसा करने लगे हैं। फाइनेंशियल इनक्लूजन (वित्तीय समावेशन) पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि छोटे निवेशों से भी मार्केट का आकर बढ़ रहा है। बाजार में उतार-चढ़ाव के समय भी हो रहे, ये डायरेक्ट इंवेस्टमेंट्स इन्वेस्टर की मैच्योर सोच के बारे में बताते हैं। आईपीओ को लेकर उन्होंने बताया कि आईपीओ में स्थिति मजबूत बनी हुई है, केवल मार्च के अंत तक 50 से ज्यादा कंपनियों ने आईपीओ फाइल किये, और 2024 में एनएसई ने कुल 268 आईपीओ की मेजबानी की, जिनसे 19.6 बिलियन डॉलर जुटाए गए, जो दुनिया में अब तक का सबसे अधिक आईपीओ फंड रहा। इनमें से 178 आईपीओ छोटे और मीडियम उद्योगों (एसएमई) से जुड़े थे।

पूर्व आईएएस नरेश पाल कुमार का अभिनंदन

भोपाल। स्वर्णकार कॉलोनी स्थित गुरुद्वारे में रविवार को गुरु नानक प्रबंधक कमेटी पंजाबी समाज द्वारा बैसाखी पर्व मनाया गया। गुरुद्वारे में आयोजित कार्यक्रम में ज्ञानी मनजीत सिंह एवं गुरु नानक प्रबंधक कमेटी के प्रधान सेवक सुरेंद्र चावला के नेतृत्व में पूर्व आईएएस नरेश पाल कुमार का अभिनंदन डॉ. के. एल. कुमार एवं आज्ञा राम अरोडा द्वारा किया गया। नरेश पाल कुमार के बड़े भाई जसविंदर पाल द्वारा अखंड पाठ साहब का प्रारंभ एवं निशान साहब की सेवा कराई गई । अखंड पाठ साहब की सेवा उपरांत अटूट लंगर का आयोजन किया गया । नरेश पाल कुमार ने सभी के साथ लंगर छका एवं सेवा की जिसमें सभी सामाजिक भाई- बहनों का पूर्ण सहयोग रहा ।

उधना-दानापुर-उधना के मध्य समर स्पेशल ट्रेन

जबलपुर। रेल प्रशासन द्वारा समर के दौरान बढ़े अतिरिक्त यात्री यातायात को क्लियर करने एवं यात्रियों की सुविधा के लिए उधना-दानापुर-उधना के मध्य एक-एक ट्रिप स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। यह गाड़ी पश्चिम मध्य रेल के इटारसी, जबलपुर, कटनी एवं सतना स्टेशनों से होकर गन्तव्य को जाएगी।

गाड़ी संख्या 09053 उधना - दानापुर स्पेशल ट्रेन दिनांक 14.04.2025 को उधना स्टेशन से सुबह 06:45 बजे प्रस्थान कर इटारसी शाम 18:30 बजे, जबलपुर रात 21:50 बजे, कटनी 23:10 बजे पहुंचकर अगले दिन सतना मध्यरात्रि 00:30 बजे और दोपहर 12:44 बजे दानापुर स्टेशन पहुँचेगी। उधना स्पेशल ट्रेन दिनांक 15.04.2025 को दानापुर स्टेशन से शाम 16:10 बजे प्रस्थान कर, अगले दिन सतना सुबह 05:40 बजे, कटनी 06:50 बजे, जबलपुर 08:50 बजे, इटारसी दोपहर 12:20 बजे और रात्रि 22:30 बजे उधना स्टेशन पहुँचेगी। यह गाड़ी रास्ते मे दोनों दिशाओं में चलथान, बारडोली, नंदूरबार, अमलनेर, पालधी, जलगांव, भुसावल, खण्डवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर एवं आरा स्टेशनों पर रुकेगी। कोच कंपोजीशन- इस गाड़ी में 15 शयनयान श्रेणी, 03 सामान्य श्रेणी एवं 02 एसएलआरडी सहित कुल 20 कोच रहेंगे।

रेल यात्रियों से अनुरोध है कि समर स्पेशल ट्रेन की विस्तृत जानकारी रेलवे स्टेशन, रेल मदद 139 एवं एनटीईएस ऑनलाइन प्राप्त कर सकते हैं।

योग का अभ्यास सम्पूर्ण व्यक्तित्व में एक संतुलन उत्पन्न करता है: योग गुरु महेश अग्रवाल

भोपाल। योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि योग अभ्यास, तनाव प्रबंधन एवं प्राकृतिक चिकित्सा का प्रशिक्षण एवं प्रचार प्रसार निरंतर करते हुए 1 अप्रैल से महादेव परिसर कॉलोनी बोर्ड ऑफिस के सामने शिवाजी नगर भोपाल में निःशुल्क योग प्रशिक्षण नियमित सुबह 7 बजे से 8:30 बजे तक देने की शुरुआत हुई है आज प्रमुख रुप से रहवासी विजय बुधवानी, उषा बरोनिया, आशुतोष बरोनिया, पूजा बुधवानी, प्रीति बरोनिया, रजनी साहू, पूनम वासनिक, दिव्या शीतलानी, नीता खंडेलवाल, प्रेरणा अग्रवाल, कार्तिक, कविश, श्रेयांस, आध्या त्रिपाठी, अक्षिता योग प्रशिक्षण में उपस्थित रहें। योग प्रशिक्षण की शुरुआत करते हुए योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि किसी भी कार्य क्षेत्र में मनुष्य की प्रगति के लिए न केवल उसको शारीरिक रुप से स्वस्थ होना चाहिए, बल्कि उसका मानसिक रुप से स्वस्थ होना भी अनिवार्य है। शारीरिक व्याधियाँ आध्यात्मिक मार्ग के अटकाव हैं। सबसे बड़ा और प्रचलित रोग है कब्ज का , जिससे प्राय: सभी व्यक्ति पीड़ित हैं और जो सभी सांघातिक बीमारियों की जड़ है । पेट की तकलीफ से साधकों के मार्ग में बाधा उपस्थित हो जाती है । यदि सावधानी न बरती जाए , तो उम्र के बढने पर बहुत कष्ट होता है । हल्के और नियमित भोजन के अतिरिक्त कुछ आसन यदि सभी लोग प्रतिदिन आधे घण्टे नियमपूर्वक इन्हें करोगे तो मुझे विश्वास है, आप सब अच्छे स्वास्थ्य, दीर्घ जीवन, शान्ति और सुख का आनन्द उठाओगे। प्रमुख महत्वपूर्ण आसन जैसे योगमुद्रा, सर्वांगासन, मत्स्यासन, हलासन, वज्रासन, सुप्त वज्रासन, भुजंगासन, शलभासन, धनुरासन, मयूरासन, पश्चिमोत्तानासन, अर्द्ध-मत्स्येन्द्रासन, शीर्षासन, शवासन नियमित करना चाहिये। योग आसन एवं प्राणायाम का अभ्यास का प्रशिक्षण देते हुए बताया कि योग जीवन जीने की कला और विज्ञान है, और इसका संबंध मन और शरीर के विकास से है। अत: समन्वित रूप से व्यक्ति का सर्वांगीण विकास करने के लिए योग क्रमबद्ध अनुशासनों का समावेश करता है। हम योगानुशासनों का आरंभ प्रायः व्यक्तित्व के बाहरी आयाम, भौतिक शरीर से ही करते हैं। आसनों का अभ्यास मेरुदण्ड के अतिरिक्त मांसपेशियों तथा जोड़ों को स्वस्थ और लचीला बनाये रखता है। विभिन्न ग्रंथियों की सूक्ष्म मालिश हो जाती है जिससे अवटु (थाइरॉयड) - अतिक्रियता या अवक्रियता, इंसुलिन का दोषपूर्ण स्राव और अन्य हॉर्मोन असंतुलन जैसी दैहिक असामान्यताएँ संतुलित हो जाती हैं। प्राणायाम केवल फेफड़ों में शुद्ध वायु पहुँचाने और उन्हें शक्ति प्रदान करने के कारण महत्त्वपूर्ण नहीं, बल्कि ये मस्तिष्क और भावनाओं पर भी सीधा असर डालते हैं। प्राणायाम के द्वारा प्राप्त हुई भावनात्मक स्थिरता मानसिक एवं सृजनात्मक ऊर्जाओं को रचनात्मक ढंग से मुक्त करती है और बच्चा अधिक आत्म-विश्वास, आत्म - सजगता तथा आत्म-नियंत्रण से भर उठता है। प्रत्याहार बाहरी वातावरण से सजगता को अन्दर खींचकर दैनिक जीवन के तनाव को कम करता है। प्रत्याहार की विभिन्न विधियाँ, जैसे योग निद्रा, व्यक्ति के सभी आयामों को प्रभावित करती हैं, क्योंकि सजगता के प्रत्यावर्तन से उत्पन्न शारीरिक एवं मानसिक शिथिलीकरण तथा एकाग्रता इस विधि के महत्त्वपूर्ण तत्त्व हैं। अविच्छिन्न एकाग्रता या ध्यान मन के उपद्रवों को शांत करने और मानसिक शक्तियों को सृजनात्मक दिशा प्रदान करने में अत्यंत सहायक होता है। योगानुशासनों की नियमित पुनरावृत्ति के द्वारा दैनिक जीवन में समचित्तता की अनुभूति और बाद में सभी यौगिक अभ्यासों के अंतिम लक्ष्य, समाधि को पाया जा सकता है। योग का अभ्यास सम्पूर्ण व्यक्तित्व में एक संतुलन उत्पन्न करता है।

सिंधी मेला समिति द्वारा आयोजित सिंधी मेले के अंतिम दिन हुजूम देखने योग्य रहा

सिंधी मेले में चला टप्पू सेना की रॉकिंग परफॉर्मेंस रॉक का जादू

भोपाल। सिंधी मेला समिति द्वारा आयोजित सिंधी मेले के अंतिम दिन मेले का हुजूम देखने योग्य रहा, जहां जो खड़ा तो वो वही ठहर गया, मेले की शुरुआत भगवान झूलेलाल की आरती के साथ की गई, आरती के बाद बाद सिम्फ़ोनी बैंड (शुभम नाथानी) की प्रस्तुति की शुरुआत हुई उनके सबसे लोकप्रिय गीत बेडो त मुहिजे लाल जो, आसा सिंधी आहियू माडू, सिंधी अबाडी बोली, जिसे सुनते ही दर्शक भावनाओं में बह गए, इसके बाद धूम पिचक, आना मेरी गली, कभी आना तू मेरी गली और अब ना जा जैसे सुपरहिट गानों ने माहौल को और भी जोशीला बना दिया, उसके बाद तारक मेहता उल्टा चश्मा के फेम टप्पू सेना नीतीश भूलानी (टप्पू) धमित शाह (गोली) समय शाह (गोगी) का जैसे ही मंच पर आगमन हुआ तो पूरा सुंदरवन गार्डन झूम उठा. हजारों की संख्या में मौजूद कला प्रेमियों ने तालियों और हूटिंग के साथ उनका स्वागत किया. उनके साथ सिंधी गीतों पर खूब डांस कर फुल ऑन इंजॉय किया। टप्पू सेना के साथ इस पारिवारिक सिंधी मेले में टीवी कलाकार कृष्णा भट्ट ने भी लोगों का मनोरंजन कर खूब हसाय।

पूज्य सिंधी पंचायत ने संत अमर शहीद भगत कंवरराम की 140वीं जयंती श्रद्धा से मनाई

भोपाल। संत नगर की प्रमुख सामाजिक संस्था पूज्य सिंधी पंचायत के तत्वाधान में महान संत अमर शहीद भगत कंवरराम की 140वीं जयंती पूर्ण गरिमा एवं श्रद्धा के साथ मनाई गई। संत नगर के मुख्य मार्ग स्थित संत कंवरराम की प्रतिमा के समक्ष पंचायत के अध्यक्ष माधू चांदवानी ने भगत कंवरराम की जयंती पर प्रकाश डाला और उनके जीवन से समाज को प्रेरणा लेने की आवश्यकता बताई। पंचायत के अध्यक्ष माधु चंदवानी ने अपने उद्बबोधन में अमर शहीद भगत कंवरराम साहिब को महान संत निर्धनों के मसीहा, दानवीर, देशभक्त, कल्याणकारी, समाज सुधारक, मधुर स्वरं के धनी खाति प्राप्त भक्त तथा ईश्वरीय शक्ति प्राप्त व्यक्तित्व का धनी बताया। जिसे पूरा समाज श्रद्धा से पूजा करते है। फलस्वरुप हर समाजसेवी एवं युवा वर्ग को भगत कंवरराम साहिब के मार्ग पर चलकर प्रेरणा लेना चाहिए ताकि हमारा भारत और शक्तिशाली बनता रहे। पार्षद अशोक मारण ने कहा कि अमर शहीद संत कंवरराम साहिब को ईश्वरीय शक्ति थी। वे गरीब व दीनदुखियों की सेवा करते थे। हमें संत कंवरराम साहिब के बताए मार्ग पर चलना चाहिए। इस अवसर पर भाजपा मण्डल पूर्व अध्यक्ष कमल वीधानी, ठाकुर दास मनवानी ने भी संत कंवरराम साहिब के जीवन पर विचार रखे। इस अवसर पर पंचायत कोषाध्यक्ष गुलाब जेठानी ने अमर शहीद व भगत कंवरराम की याद में मधुर गीत गाकर मंत्र मुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के आरंभ में भगत कंवरराम साहिब की शाही प्रतिमा पर समस्त श्रद्धालुओं ने माल्यार्पण कर श्रद्धा के फूल चढ़ाए। कार्यक्रम का संचालन नंद कुमार दादलानी व आभार जगदीश आसवानी ने प्रकट किया।

सुर शंकरा ने पॉलिटेक्निक में की गीतों की बारिश

भोपाल। सुर शंकरा म्यूज़िकल ग्रुप की 148वीं संगीतमयी प्रस्तुति 13 अप्रैल को पॉलिटेक्निक कॉलेज के ऑडिटोरियम में माननीय पूर्व मुख्यमंत्री उमाश्री भारती जी के प्राइव्हेट सेक्रेटरी उमेश गर्ग, एम-3 ग्रुप के अध्यक्ष दिनेश गर्ग व सचिव अरविंद दयाल शर्मा, व्यास म्यूज़िकल ग्रुप के संस्थापक एम. पी. व्यास व अध्यक्ष संजय पी. एल. व्यास, उड़ान म्यूज़िकल ग्रुप के अध्यक्ष राजू बड़गूजर सहित अन्य गणमान्य नागरिकों व दर्शकों की उपस्थिति में अपार सफलता के साथ सम्पन्न हुई द्य ग्रुप के कार्य. अध्यक्ष/मैनेजर इंजी. प्रतीक गर्ग एवं प्रेरणास्त्रोत/सिंगर निहारिका गर्ग ने बताया कि सुर शंकरा द्वारा प्रदेश के भिन्न भिन्न जिलों में स्थापित कारागारों (जेल) में परिरुद्ध बंदी भाइयों बंदी बहनों को अपराध की दुनिया से दूर रहकर स्वस्थ वातावरण में अपना रोजगार स्थापित कर परिवार सहित खुद का जीवन यापन करने का संदेश देते हुए संगीत के माध्यम से खुशियाँ प्रदान की दृष्टि से अनेकों निःशुल्क कार्यक्रम किये जा चुके हैं वहीं दूसरी तरफ़ भोपाल में लगने वाले मेलों में भी सुर शंकरा की उपस्थिति दिखाई देती है। ग्रुप के संस्थापक/अध्यक्ष भजन लेखक सुरेश गर्ग ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये पॉलिटेक्निक प्रशासन, पुलिस प्रशासन सहित उपस्थित दर्शकों का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि विश्व संगीत एवं योग दिवस के अवसर पर 21 जून को सुर शंकरा की 151वीं संगीतमयी प्रस्तुति पॉलिटेक्निक कॉलेज में ही होने वाली है जिसमें भी दर्शकों के पास यदि समय हो तो उपस्थित होकर सफल बनाने का अनुरोध किया है । कार्यक्रम की संभागीय अध्यक्ष व एंकर आयशा खान ने वॉइस ऑफ़ लता मंगेशकर अवार्डी रीता बोथे की मधुर आवाज़ में नमो नमो हे शंकरा से शुरुआत करने आमंत्रित किया उसी दौरान ग्रुप के सिंगर्स द्वारा दीप प्रज्वलन किये जाने के उपरांत लगातार एक से बढ़कर एक गीतों की बौछार होने शुरू हुई जिसमें बेबी अलीज़ा खान ने उनसे मिली नज़र के मेरे होश उड़ गये, आयशा खान ने तेरे बिन नहीं जीना मर जाना, प्रतिभा अग्रवाल ने ये मेरा दिल यार का दीवाना, निवेदिता व्यास ने आप जैसा कोई मेरी ज़िन्दगी में आये जैसे गीतों से समां बांध दिया।

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह
डॉ. अम्बेडकर नगर महू पहुंचे

राज्यसभा सांसद एवं मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह आज डॉ. अम्बेडकर नगर महू पहुंचे। जहाँ उन्होंने बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर जी की जयंती के अवसर पर बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। तदुपरान्त पूर्व सीएम महू के शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पहुंचे, जहाँ वे भारतीय संविधान प्रचारिणी सभा, भारत के तत्वावधान में आयोजित संविधान पठन एवं संविधान-प्रदर्शनी कार्यक्रम में शामिल हुए।

संपादकीय

वाराणसी गैंगरेप, 23 दरिंदों की दरिंदगी पर हर तरफ खामोशी?

वाराणसी में सामूहिक बलात्कार की दहला देने वाली घटना बेलगाम अपराध के बरक्स कानून के शासन की लाचारगी को रेखांकित करती है। वरना जिस राज्य में लगभग हर रोज सरकार अपराध और अपराधियों के खत्म होने का दावा करती रहती है, वहां आए दिन अपराधों की प्रकृति और ज्यादा विकृत और बेलगाम क्यों होती जा रही है? यह कल्पना भी बेहद तकलीफदेह है कि जिस उत्तर प्रदेश को सबसे सुरक्षित राज्यों में से एक बताया जाता रहा है, वहां भी महिलाएं खुद को जोखिम में पा रही हैं। गौरतलब है कि हाल ही में वाराणसी में एक युवती से तेईस युवकों ने सात दिन तक सामूहिक बलात्कार किया। युवती को नशीला पदार्थ खिला कर अलग-अलग जगहों पर ले जाकर आरोपियों ने उससे दरिंदगी की। इस घटना के बाद स्वाभाविक ही सवाल उठ रहे हैं कि अगर सबसे चौकस कानून-व्यवस्था के दावे वाले क्षेत्र में आपराधिक तत्व इस कदर बेलगाम हैं, तो महिलाएं कहां और कैसे खुद को सुरक्षित महसूस करें। सवाल है कि अगर राज्य सरकार यह दावा करती है कि उसके अपराध और अपराधियों के खिलाफ सख्त अभियान चलाने से आपराधिक मानसिकता वाले लोग अब कोई अपराध करने से डरते हैं तो करीब एक हफ्ते तक तेईस आरोपी एक युवती से लगातार बलात्कार जैसी वारदात को कैसे अंजाम देते रहे। किन वजहों से उनके भीतर कानून का कोई खौफ नहीं था? इस घटना की गंभीरता के मद्देनजर ही खुद प्रधानमंत्री ने अधिकारियों से वारदात में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा है। मगर सवाल है कि ऐसी नौबत क्यों आई कि एक जघन्य अपराध के आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए प्रधानमंत्री को कहना पड़े! राज्य की पुलिस व्यवस्था को खुद ही न केवल दोषियों को सजा दिलाने के लिए अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह करना चाहिए, बल्कि समूचे राज्य में वास्तव में ऐसा माहौल बनाना चाहिए कि आपराधिक मानसिकता वाले लोग कोई भी अपराध करने से डरें। अपराधियों के खिलाफ सख्ती के समांतर ज्यादा जरूरी यह भी है कि ऐसा माहौल बनाया जाए, जिसमें अपराध को होने से पहले रोका जा सके और महिलाएं कहीं भी खुद को सुरक्षित महसूस करें।

भारतीय संविधान के शिल्पी एवं सामाजिक क्रांति के महानायक डॉ आंबेडकर

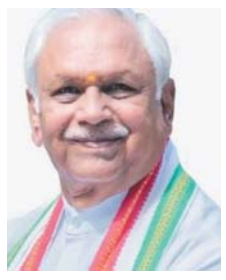

सुरेश पचौरी

मध्यप्रदेश की माटी के गौरव सपूत, भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर, समता मूलक समाज की स्थापना के प्रणेता और भारत के संविधान के निर्माता हैं। डॉ अम्बेडकर का जीवन संघर्षों की ऐसी महागाथा है जिसने इंसानियत को सही अर्थों में समझा और मानवीय गरिमा को स्थापित कर इतिहास को गौरवान्वित किया। डॉ अम्बेडकर देश के कमजोर वर्गों के आत्मसम्मान और सामाजिक, आर्थिक समानता के सबसे ब? पैरोकार थे। उनका जन्म 14 अप्रैल 1891 में मध्यप्रदेश के महू में हुआ था। महार जाति में जन्में डॉ अम्बेडकर ने गैर बराबरी, छुआछूत, अन्याय, शोषण, दमन, घृणा, तिरस्कार और वेदना की पराकाष्ठा की भट्टी में तपते हुए सतह से शिखर की उंचाई को स्पर्श किया है।

डॉ भीमराव अम्बेडकर बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि एवं बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। 1912 में उन्होंने स्नातक परीक्षा पास की। उन्होंने अमेरिका के कोलंबिया विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में एम.ए. किया, लंदन स्कूल ऑफ इकोनामिक्स से डी.एससी. एवं कोलंबिया यूनिवर्सिटी से डॉक्टर ऑफ लॉ की डिग्री हासिल की। वे एक चिंतनशील व्यक्ति तथा कर्मयोगी थे। उनका जीवन, उन्हें मिली सफलताऐं और उपलब्धियां अपने आप में इस बात का प्रमाण है कि प्रतिभा का जाति से कोई संबंध नहीं होता। महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रतिभा को खुला और उन्मुक्त वातावरण मिलना चाहिए। असाधारण संगठन क्षमता और अन्याय के विरूद्ध लोहा लेने की उनकी संकल्पबद्धता उन्हें सहज ही एक महान इतिहास पुरूष के रूप में प्रतिष्ठापित कर देती है। दलित समाज में मानवाधिकारों के प्रति चेतना जगाने में उनका विशेष योगदान है। दलित एवं कमजोर वर्गों के लिए उनका स्पष्ट संदेश था शिक्षित बनो, संगठित रहों और संघर्ष करो।

आजाद भारत के पहले मंत्रिमंडल में डॉ अम्बेडकर देश के कानून मंत्री बने। वे संविधान सभा के सदस्य भी थे तथा उन्हें संविधान सभा की ड्रॉफ्ट कमेटी का सभापति बनाया गया था। आजादी के तत्काल बाद 1947 में जब साम्प्रदायिक विद्वेष की आग फैल रही थी ऐसे में सबसे बड़ी चुनौती थी, एक ऐसा संविधान बनाने की, जो सर्वस्वीकार्य हो। डॉ अम्बेडकर ने इस चुनौती को सहर्ष स्वीकार किया।

डॉ अम्बेडकर राजनैतिक लोकतंत्र को सामाजिक लोकतंत्र में बदलना चाहते थे। वे आर्थिक शोषण के खिलाफ संरक्षण को संविधान के मूलभूत अधिकारों के रूप में सम्मिलित करने के पक्षधर थे। डॉ अम्बेडकर ने विश्व संविधानों के श्रेष्ठ मूल्यों, उन्नत प्रावधानों को भारतीय संस्कृति के अनुरूप ढालकर भारतीय संविधान को वैश्विक संघर्षों एवं अनुभवों से समृद्ध किया। स्वतंत्र भारत के संविधान के शिल्पकार के रूप में डॉ अम्बेडकर के योगदान को पूरा देश ब? गौरव के साथ स्मरण करता है।

डॉ अम्बेडकर ने संविधान की रचना करते समय इस बात को बारीकी से ध्यान में रखा कि आजाद भारत जातियों, संप्रदायों में विभाजित हुये बिना एकजुट मानव समाज के रूप में अपनी विकास यात्रा तय करे। संविधान में डॉ अम्बेडकर ने ऐसे अनेक प्रावधान रखे, जिसके चलते न केवल दलित वर्ग को अपितु संपूर्ण मानव समाज को समानता से जीने का अधिकार मिला। उन्हीं के प्रयासों से छुआछूत को दंडनीय अपराध घोषित किया गया। संविधान में सामाजिक न्याय और कमजोर वर्ग की बेहतरी के अनेक प्रावधान किये गये।

डॉ अम्बेडकर का जीवन एवं दर्शन सामाजिक एवं आर्थिक नवनिर्माण को सही दिशा देने का मूल मंत्र है। उन्होंने वित्त आयोग, आर.बी.आई. निर्वाचन आयोग, पानी, बिजली, ग्रिड सिस्टम, संपत्ति में महिलाओं का अधिकार आदि अनेक विषयों पर अपने विचार आलेख के रूप में प्रस्तुत किये। राष्ट्रनिर्माण, विदेशनीति निर्धारण, श्रमिक कल्याण, कृषि तथा औद्योगिक विकास में उनका तत्कालीन चिंतन आज भी देश की जनता के लिए धरोहर सरीखा है।

बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी डॉ अम्बेडकर एक चिंतनशील पत्रकार थे। वे पत्रकारिता को सामाजिक न्याय का माध्यम मानते थे। पत्रकारिता की आवश्यकता और प्रभाव को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा था जैसे पंख के बिना पक्षी नहीं होते वैसे समाचार पत्र के बिना आंदोलन नहीं होते। डॉ अम्बेडकर ने खुद भी 1920 में ÷मूकनायक÷ अखबार का प्रकाशन शुरू किया जिसके माध्यम से मानवीय संवेदनाओं को राष्ट्रीय स्वर दिया। इसका असर यह हुआ कि अंग्रेजों की दलित समाज को हिन्दू समाज से अलग करने की चाल विफल हुई। डॉ अम्बेडकर द्वारा उठाये गये सामाजिक आर्थिक प्रश्नों से आजादी के आंदोलन को गति एवं शक्ति प्राप्त हुई।

सामाजिक समरसता और समाज में बराबरी का भाव डॉ अम्बेडकर के चिंतन के केन्द्र बिन्दु रहे लेकिन यह सिर्फ दलित या कमजोर वर्ग तक सीमित नहीं था, उन्होंने महिलाओं को संपत्ति में अधिकार, हिन्दू समाज में बहुविवाह प्रथा पर रोक लगाने के हिन्दू कोड बिल को लागू करवाने के लिये अथक प्रयास किये। यह उनके सिद्धांतों के प्रति दृढ़ता का परिचायक था कि हिन्दू कोड बिल को पारित न होने पर उन्होंने कानून मंत्री के पद से स्तीफा दे दिया।

समानता पर आधारित शोषणमुक्त समाज के निर्माण की दिशा में निर्णायक कदम उठाते हुये उन्होंने 14 अक्टूम्बर 1956 को अपने लाखों अनुयायियों सहित बौद्ध धर्म अपनाया। नागपुर की पवित्र दीक्षाभूमि पर उन्होंने प्रतिज्ञा की कि मैं इस सिद्धांत को मानूंगा कि सभी मनुष्य एक हैं। मैं बौद्धधर्म के तीन तत्वों 1. ज्ञान 2. करूणा 3. शील के अनुरूप स्वंय को ढालूंगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में केन्द्र सरकार ने डॉ अम्बेडकर के जीवन और कृतित्व को चिरस्मरणीय बनाने के लिये अनेक कदम उठाये हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बाबा साहब अम्बेडकर के जीवन से गहरे संबंध रखने वाले पांच स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित करने की योजना बनाई है। ये पंचतीर्थ इस प्रकार हैं।

- अम्बेडकर जन्म स्थली महू, डॉ अम्बेडकर की जन्म स्थली महू में उनकी स्मृति में भव्य स्मारक बनाया गया है एवं मध्यप्रदेश सरकार द्वारा महू में डॉ बी.आर.अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है।
- शिक्षा भूमि, लंदन, डॉ अम्बेडकर ने लंदन में जिस इमारत में रहकर अपनी पढ़ाई पूरी की थी उसे खरीद कर, उस तीन मंजिला इमारत को अंतरराष्ट्रीय सहअनुसंधान केन्द्र के रूप में विकसित किया है।
- दीक्षा भूमि, नागपुर, डॉ अम्बेडकर ने नागपुर में जिस जगह बौद्ध धर्म को स्वीकार किया था, उस दीक्षा भूमि पर एक भव्य ग्रंथालय, शोध केन्द्र और सभागार का निर्माण कराया गया है।
- महापरिनिर्वाण भूमि दिल्ली, दिल्ली के अलीपुर रोड पर वह बंगला स्थित है, जहां पर डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने अंतिम सांस ली थी। इस स्थल पर एक स्मारक बनाया गया।
- अम्बेडकर स्मारक मुंबई, मुंबई के उस मकान में, जहां बाबा साहब अंबेडकर ने वर्षों तक निवास किया वहां डॉ अम्बेडकर की आदमकद प्रतिमा लगायी गई तथा लगभग 13 हजार लोगों की क्षमता वाला विपश्यना हाल बनाया गया है।

आज डॉ बाबासाहब अंबेडकर हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके विचार हमेशा हमारे साथ रहेंगे। वे संपूर्ण मानवजाति के उद्धारक थे। उन्होंने धर्म और जाति से परे शोषण मुक्त समाज का सपना देखा था और उसे साकार करने के लिए वे संकल्पबद्ध थे। आज उनकी जन्मतिथि है। आज के दिन हम ये संकल्प लें कि हम डॉ अम्बेडकर के सामाजिक समरसता, समानता और सद्भाव की नयी चेतना को जन-जन तक ले जाकर बाबा साहेब के सपनों को साकार करने की दिशा में सार्थक पहल करेंगे।

(लेखक पूर्व केंद्रीय मंत्री रहे हैं।)

और आई बैसाखी

राकेश दुबे

भारतीय समाज में बैसाखी का जितना धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व है, उतना ही ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और सामाजिक भी है। इसी दिन 13 अप्रैल, 1699 को दशम गुरु, गुरु गोबिंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना की थी। हो सकता है यह अतिश्योक्तिपूर्ण लगे, लेकिन अगर खालसा पंथ की स्थापना नहीं हुई होती तो शायद ही आज हिंदुस्तान हिंदू संस्कृति के प्रभाव बहुल देश होता। यह खालसा पंथ ही है, जिसने धर्म और संस्कृति को सुरक्षित रखने में अपनी अहम भूमिका निभायी है।

बैसाखी को इसके सबसे लोकप्रिय रूप में देखें। जिसमें उल्लास और आध्यात्मिकता का संगम है। पंजाब के खेतों में जब पकी हुई सुनहरी फसलें हवा के झोंकों के साथ झूमती हैं, तो ऐसा लगता है मानो प्रकृति भी इस उत्सव का स्वागत कर रही हो।बैसाखी सिर्फ किसानों के लिए नई फसल की खुशी का ही पर्व नहीं है, बल्कि सिख धर्म के इतिहास में भी यह एक बेहद महत्वपूर्ण दिन है।

13 अप्रैल का यह दिन गुरु गोबिंद सिंह द्वारा 1699 में खालसा पंथ की स्थापना का दिवस भी है। आनंदपुर साहिब में हजारों की भीड़ के सामने उन्होंने पांच प्यारों को अमृत छकाया और धर्म की रक्षा के लिए खालसा पंथ की नींव रखी। यह वह क्षण था जब धर्म की आध्यात्मिक ऊर्जा और बहादुरी एक नए स्वरूप में सामने आयी। बैसाखी का नाम आते ही एक रंगीन तस्वीर उभरती है– भंगड़ा और गिद्दा की धुनों पर थिरकते लोग और मीठी लस्सी के साथ हलवा-पूरियों का आनंद। ढोल की धमक माहौल में जोश भर देती है।इस दिन हरमंदिर साहिब यानी स्वर्ण मंदिर में श्रद्धालु विशेष अरदास करते हैं, लंगर छकते हैं। यही नहीं, उत्तर भारत के कई हिस्सों में गंगा स्नान और मंदिरों में भव्य आयोजन होते हैं।

जब बैसाखी की हम हंसते, गाते, मस्ती में झूमते लोगों के त्योहार के रूप में कल्पना करते हैं तो हमारे जेहन में सबसे पहले और सबसे देर तक पंजाब रहता है। पंजाब और उससे सटे हरियाणा व राजस्थान में बैसाखी रबी की फसल के पकने की खुशी की द्योतक होती है। लोग यहां बैसाखी के दिन जो कि इस बार 13 अप्रैल को यानि कल था , पवित्र नदियों, सरोवरों में स्नान करके गुरुद्वारे या मंदिरों में गए परंपरा के अनुसार घर में बने नये-नये पकवान बने हैं। नयी फसल की कुछ बालियां भूनते हैं और उन्हें खाते हैं। बैसाखी में दिल भी मिलते-खिलते हैं। यह वो दिन होता है जब खेतों में लहलहाती फसल की तरह ही कुछ युवा दिलों में भी प्यार के नए अंकुर फूटते हैं। बैसाखी के मेले में गबरू जवान रंग-बिरंगे कुर्ते-पजामे में सज-धजकर निकले । कुड़ियों का भी अलग ही स्वैग था पटियाला सूट, झुमके, लंबी चोटी और काजल भरी आंखें। बैसाखी का मेला असल में युवाओं से ही जमता है।

बाबा साहेब आंबेडकर की कल्पनाओं को साकार करता मध्यप्रदेश

क्रांति दीप अलूने

डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर भारत के महान विधिवेत्ता,एक दूरदर्शी चिंतक और समाज सुधारक थे। उन्होंने एक ऐसे राज्य की कल्पना की थी जो समानता, न्याय और मूलभूत अधिकारों को हर नागरिक के लिए सुनिश्चित करे। डॉ.आंबेडकर वंचितों, शोषितों, मजदूर, किसान, पिछ? समाज और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए संकल्पित थे, उनका यह आग्रह देश के संविधान में भी दिखाई प?ता है। डॉ. आंबेडकर के चिंतन और संघर्ष का मूल उद्देश्य सामाजिक न्याय, समानता और सम्मान के साथ सभी का खुशहाल जीवन था। मध्यप्रदेश में बड़ी आबादी अनुसूचित जातियों, जनजातियों और पिछड़े वर्गों की है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में डॉ. आंबेडकर की संकल्पना को साकार करते हुए राज्य सरकार वंचित और गरीब वर्गों के सर्वांगीण विकास और खुशहाल जीवन के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव संविधान दिवस (26 नवम्बर) पर मध्यप्रदेश में निवेश लाने के लिए अपने यूके-जर्मनी दौरे के बीच लंदन में उस स्थान पर पहुंचे जहां 1920 के दशक में डॉ. आंबेडकर ने निवास किया था। डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर उन्होंने माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा संविधान की प्रस्तावना का वाचन भी किया। दरअसल भारतीय संविधान की प्रस्तावना एक उद्घोषणा है, जो संविधान की मूल भावना, उद्देश्यों और आदर्शों को दर्शाती है। यह संविधान के उद्देश्यों की आधारशिला है। प्रस्तावना में समस्त नागरिकों के लिये सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय का संकल्प दिखाया गया है और प्रदेश उन संकल्पों को पूरा करने के लिए कृतसंकल्प है।

मध्यप्रदेश में डॉ. भीमराव आंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को महू में हुआ था और राज्य उनके विचारों को साकार करने वाली भूमि के रूप में पहचान बना रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने जनकल्याणकारी कार्यों से यह सुनिश्चित किया है कि वंचित वर्गों के लिए संचालित कार्यक्रम और योजनाओं को डॉ. आंबेडकर की अपेक्षाओं के अनुरूप व्यवहारिक जीवन और नीति निर्माण में भी उतारा जाए। भारत एक कल्याणकारी राज्य है, जिसका उद्देश्य सभी नागरिकों, विशेष रूप से गरीब वर्ग के लिए बेहतर जीवन सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपनी लोक कल्याणकारी योजनाओं का लक्ष्य प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के चिंतन के अनुरूप 'सबका साथ और सबका विकास' को बनाया है।

सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस के रूप में विकसित होगा महू का सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घोषणा की है कि डॉ. आंबेडकर की जन्म स्थली महू में स्थापित डॉ. भीमराव अंबेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय को 'सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस' के रूप में विकसित किया जाएगा। डॉ. आंबेडकर शिक्षा को जीवन का सबसे ताकतवर हथियार मानते थे। उनके लिए शिक्षा सिर्फ व्यक्तिगत तरक्की का साधन नहीं अपितु सामाजिक परिवर्तन, समानता और न्याय का रास्ता थी। उन्होंने शिक्षा को दलितों, पिछड़ों और शोषित वर्गों के लिए मुक्ति का द्वार बताया था। उनका मानना था कि उच्च शिक्षा संस्थान वैज्ञानिक, शिक्षाविद, विचारक और जिम्मेदार नागरिक तैयार करते हैं। अब डॉ. आंबेडकर से प्रेरणा लेकर सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस से उत्कृष्ट विद्यार्थी निकल सकेंगे।

पंच तीर्थ की यात्रा कराएगी सरकार

म.प्र. के महू में डॉ. आंबेडकर स्मारक के साथ कई अन्य स्थान भी हैं, जो उनके संघर्ष और योगदान को याद दिलाते हैं। यह स्थल पूरे देश के लिए गौरव और प्रेरणा का स्रोत हैं। महू डॉ. आंबेडकर के अनुयायियों के लिए एक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल है। देश विदेश से लाखों लोग यहां पर आते है। मध्यप्रदेश सरकार डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर की स्मृति में पंच तीर्थों-उनके जन्म स्थान, दीक्षा स्थल, कर्मभूमि, शिक्षा स्थल और जहां उनका महा-परिनिर्वाण हुआ था। सरकार मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत इन पंच तीर्थों बाबा साहेब की जन्मस्थली महू, दीक्षा भूमि नागपुर, महा-परिनिर्वाण स्थली दिल्ली, चैत्य भूमि मुंबई और यूके के लंदन में स्थित पढ़ाई के समय का उनका निवास स्थल शामिल है।

सागर जिले के करीब ढाई सौ वर्ग किलोमीटर आरक्षित वन क्षेत्र को प्रदेश का 25वाँ अभयारण्य घोषित किया है। संविधान के शिल्पकार डॉ.आंबेडकर के पर्यावरण संरक्षण के प्रति आग्रह को याद करते हुए अभयारण्य का नाम डॉ. भीमराव आंबेडकर के नाम से रखा गया है। अभयारण्य के गठन से वन एवं वन्य-प्राणियों का संरक्षण एवं संवर्धन होगा। इस अभयारण्य से पारिस्थितिकीय तंत्र में खाद्य श्रृंखला सुदृ? होगी और पर्यटन को ब?ावा मिलेगा। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

प्रदेश का सबसे लम्बा फ्लाई ओवर ब्रिज डॉ. आंबेडकर के नाम

सेतु केवल दो स्थानों को जोड़ने वाली संरचना नहीं होती बल्कि यह संपर्क, विकास और विश्वास का प्रतीक होता है। देश के हृदय प्रदेश की राजधानी भोपाल के हृदय-स्थल कहे जाने वाले महाराणा प्रताप नगर में बने प्रदेश के सबसे (2.73 किमी) लंबे फ्लाई-ओवर का नामकरण बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के नाम पर कर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अनेकता में एकता और सामाजिक समरसता का संदेश दिया है।

डॉ. आंबेडकर पशुपालन विकास योजना, किसान समृद्धि की नई पहल

समता और समानता के पैरोकार रहे डॉ.आंबेडकर के नाम पर राज्य सरकार ने किसानों की समृद्धि के लिए 'डॉ. आंबेडकर पशुपालन विकास योजना' को मंजूरी दी। पशुपालन और डेयरी, कृषि आधारित अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाते हैं, अपितु आधुनिक भारत में भी एक बड़ा आर्थिक क्षेत्र है। पशुपालन एवं डेयरी और डॉ. भीमराव आंबेडकर का संबंध मुख्य रूप से समाज के आर्थिक उत्थान और सामाजिक न्याय से जुड़ा हुआ है। डॉ. आंबेडकर ने हमेशा सामाजिक और आर्थिक समानता की बात की और समाज के प्रत्येक वर्ग को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में कार्य किया। पशुपालन और डेयरी उद्योग को उन्होंने आर्थिक स्वतंत्रता के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में देखा, विशेष रूप से दलित, जनजातीय और पिछ? समुदायों के लिए।

डॉ. आंबेडकर ने समाज में समानता और सशक्तिकरण के लिए जो मार्गदर्शन दिया, वह मध्यप्रदेश में विकास की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो, इसके लिए राज्य सरकार लोक-कल्याण के व्यापक कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, डॉ.आंबेडकर की कल्पनाओं को साकार करते हुए सुशासित प्रदेश की अवधारणा पर प्रदेश के विकास को तीव्र गति से आगे ब?ा रहे है। उनके नेतृत्व में मध्यप्रदेश में समान अवसर और समावेशी विकास की योजनाओं ने उसे एक सशक्त और प्रगतिशील राज्य बना दिया है। मध्यप्रदेश डॉ. आंबेडकर के सिद्धांतों के अनुरूप आगे बढ़ रहा है।

डॉ. भीमराव आंबेडकर अधिकारों और सामाजिक न्याय के अमर प्रतीक

प्रवीण कक्कड़

संविधान केवल दस्तावेज़ नहीं, बल्कि जीवन का मार्गदर्शक है। यह गहन कथन भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों की गहराई और उनके दूरदर्शी दृष्टिकोण को दर्शाता है। 14 अप्रैल, एक ऐसी जयंती है जो हमें उस महान विभूति का स्मरण कराती है, जिन्होंने न केवल स्वतंत्र भारत के संविधान की आधारशिला रखी, बल्कि सामाजिक समानता, न्याय और वंचितों के उत्थान के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया। उनका जीवन, अनगिनत चुनौतियों, अटूट साहस और असाधारण सफलता की एक ऐसी प्रेरक गाथा है, जो आज भी करोड़ों लोगों को अन्याय के खिलाफ लड़ने और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने की शक्ति प्रदान करती है।

डॉ. भीमराव अंबेडकर एक ऐसे अद्वितीय व्यक्ति थे, जिन्होंने उस पवित्र और सर्वव्यापी ग्रंथ की रचना की, जो हर भारतीय नागरिक को उसके मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों का बोध कराता है हमारा जीवंत संविधान। यह वह अनुपम दस्तावेज है, जिसकी छत्रछाया में हम सभी, अपनी भाषाई, धार्मिक और सांस्कृतिक विविधताओं के बावजूद, अनेकता में एकता के अटूट सूत्र में बंधे हुए हैं, और विश्व को इस महान सत्य का शाश्वत संदेश देते हैं।

डॉ. भीमराव अंबेडकर न केवल भारत में, बल्कि पूरे विश्व में एक प्रकांड विद्वान, न्यायविद् और महान समाज सुधारक के रूप में सम्मानित हैं। उनका असाधारण ज्ञान, उनकी अद्वितीय विद्वता और उनकी तार्किक क्षमता ऐसी थी कि उन्होंने न केवल अपने देश में बल्कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भी अपने प्रगतिशील विचारों का लोहा मनवाया। उन्होंने हर उस प्रतिष्ठित मंच पर अपनी प्रखर बुद्धि का परिचय दिया, जहाँ सामाजिक न्याय, मानवाधिकार, और लैंगिक समानता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा हुई। उनकी दूरदर्शिता और बौद्धिक क्षमता ने उन्हें वैश्विक स्तर पर एक प्रतिष्ठित विचारक के रूप में स्थापित किया।

संविधान निर्माता भारत की अंतरात्मा

डॉ. अंबेडकर, एक महान शिल्पी, ने अपने अद्वितीय ज्ञान और समर्पण से भारतीय संविधान की जटिल संरचना को आकार दिया। यह केवल कानूनी नियम नहीं, बल्कि नागरिकों के अधिकार, कर्तव्य और प्रगतिशील सपनों का जीवंत दस्तावेज है। संविधान की हर धारा समानता, स्वतंत्रता, बंधुत्व और सामाजिक न्याय का शाश्वत संदेश देती है। डॉ. अंबेडकर ने इसे भारत की विविधता में एकता और सद्भाव का अटूट प्रतीक बनाने के लिए अभिकल्पित किया। यह न केवल कानूनी ढांचा है, बल्कि एक न्यायपूर्ण और समावेशी समाज का नैतिक आदर्श भी है।

महिलाओं के अधिकारों के लिए संघर्ष

डॉ. अंबेडकर ने भारतीय समाज में महिलाओं की गरिमा और अधिकारों की स्थापना के लिए अथक प्रयास किए। उनका मानना था कि महिलाओं की प्रगति के बिना समाज विकसित नहीं हो सकता। उन्होंने हिंदू कोड बिल के माध्यम से महिलाओं को संपत्ति और विवाह विच्छेद का अधिकार दिलाया, जो एक क्रांतिकारी कदम था। उनका दृढ़ विश्वास था कि किसी समाज की प्रगति महिलाओं की स्थिति से आंकी जाती है।

वंचितों के उद्धारक

डॉ. अंबेडकर ने दलितों और अन्य हाशिए पर रहने वाले समुदायों के उत्थान के लिए आजीवन संघर्ष किया। उन्होंने शिक्षा, समान अवसर और सामाजिक समानता के लिए आवाज उठाई। उनके प्रयासों से ही संविधान में अस्पृश्यता एक दंडनीय अपराध बनी और कमजोर वर्गों के लिए विशेष प्रावधान हुए।

आंबेडकर का कालजयी संदेश

आज भी सामाजिक न्याय, शिक्षा और समान अवसर की बात करते समय डॉ. अंबेडकर के विचार हमारा मार्गदर्शन करते हैं। उनका मंत्र था - शिक्षित बनो, संगठित रहो, और संघर्ष करो।यह सिद्धांत आज भी उतना ही प्रासंगिक है।

उन्होंने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का शक्तिशाली उपकरण माना और वंचितों को शिक्षित होकर अपने अधिकारों के लिए लड़ने का आह्वान किया। उनका मानना था कि संगठन शक्ति है।

संघर्ष और दृढ़ संकल्प

डॉ. आंबेडकर का जीवन चुनौतियों और संघर्षों से भरा था। बचपन से भेदभाव सहने के बावजूद, उन्होंने अपनी शिक्षा के प्रति निष्ठा रखी और ज्ञान का शिखर प्राप्त किया। उनकी यह यात्रा विपरीत परिस्थितियों में लक्ष्य प्राप्त करने की प्रेरणा है।

सामाजिक न्याय के योद्धा

डॉ. अंबेडकर ने न केवल कानून में योगदान दिया, बल्कि सामाजिक न्याय और समानता के लिए एक योद्धा की भूमिका निभाई। उन्होंने सदियों से बहिष्कृत समुदायों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया, जिससे अन्यायपूर्ण व्यवस्थाओं को चुनौती मिली और एक समावेशी समाज की नींव रखी गई।

प्रेरणा और शिक्षा

उनकी जयंती केवल एक औपचारिकता नहीं है। यह उनके गहरे संदेश को आत्मसात करने और प्रेरणा लेने का अवसर है। उन्होंने शिक्षा को असमानता और अन्याय को पराजित करने का हथियार बताया। उन्होंने अधिकारों के लिए आवाज उठाने और दूसरों के अधिकारों की रक्षा करने का कर्तव्य सिखाया।

अधिकार और कर्तव्य का बोध

डॉ. अंबेडकर ने हमें एक प्रगतिशील संविधान दिया है, जो हमें अधिकारों के साथ-साथ जिम्मेदार नागरिक के रूप में कर्तव्यों का भी बोध कराता है। आज उनकी जयंती पर, हमें भेदभाव, अशिक्षा और अन्याय को समाप्त करने का संकल्प लेना चाहिए और उनके सपनों का समावेशी और न्यायपूर्ण भारत बनाना चाहिए।

एक न्यायपूर्ण समाज का संकल्प

आइए, इस अवसर पर हम डॉ. अंबेडकर के आदर्शों को अपनाने का संकल्प लें। हम एक ऐसे न्यायपूर्ण और समतावादी समाज के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध रहें, जहाँ हर व्यक्ति को सम्मान और समान अवसर मिले। यही उस महान आत्मा को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail–com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakashÐin

सामग्र आईडी की आधार ई केवाईसी के लिए, नगर पालिका ने प्रारंभ किया अभियान

सिरोंज। नगर पालिका परिषद के द्वारा समग्र आईडी में आधार कार्ड की ई केवाईसी के लिए विशेष अभियान प्रारंभ किया गया है प्रत्येक व्यक्ति की समग्र आईडी से आधार की ई केवाईसी करना है शासन की योजना के लिए यह कार्य बहुत आवश्यक किया गया इसीलिए वार्डों में कैंप लगाकर इस काम को नगर पालिका के द्वारा किया जा रहा है इसके चलते वार्ड नंबर 21 में शिविर का आयोजन अयोध्या बस्ती में किया गया केवाईसी का कार्य शिविर में निशुल्क किया गया है। इस काम को करवाने के लिए काफी संख्या में हितग्राहियों ने पहुंच कर इस काम को करवाया। वहीं शिविर का जायजा लेने एवं हितग्राहियों की समस्याओं को जानने नपाध्यक्ष मनमोहन साहू भी पहुंचे। नपा सीएमओ रामप्रकाश साहू ने बताया कि शासन की मंशा एवं विधायक उमाकांत शर्मा के निर्देश पर हमने सभी वार्डो में ई केवाईसी करने के लिए शिविर आयोजित कर रहे हैं। आगे भी सभी वार्डो में आम जनता के हित में शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविरों मैं आकर नगर वासी इस काम को निशुल्क करवा सकते हैं।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री ने लिया कार्यक्रम स्थल की तैयारियों का जायजा

मंडला। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार 16 अप्रैल को मण्डला जिले के जनपद पंचायत मण्डला अंतर्गत ग्राम पंचायत टिकरवारा में आयोजित मुख्यमंत्री कन्यादान कार्यक्रम में शामिल होंगे।मुख्यमंत्री के आगमन की तैयारियों को लेकर मध्य प्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने मुख्य कार्यक्रम स्थल का अवलोकन करते हुए की जा रही तैयारियों का जायजा लिया।उन्होंने कार्यक्रम स्थल में मंचीय व्यवस्था, मीडिया कक्ष,सुरक्षा के प्रबंध,हितग्राहियों की बैठक व्यवस्था,मंडप,वर-वधु पक्ष के रिश्तेदारों के लिए बैठने की व्यवस्था आदि तैयारियों का जायजा लिया।मंत्री श्रीमती उइके ने मुख्य कार्यक्रम स्थल पर मंच एवं टेंट व्यवस्था,बेरीकेटिंग,विद्युत-बैठक, पेयजल व्यवस्था आदि के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।पीएचई मंत्री ने कहा कि सभी तैयारियां समय से पहले पूर्ण करना सुनिश्चित करें।उन्होंने इसी प्रकार से कार्यक्रम स्थल के पार्किंग व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया।इस अवसर पर प्रभारी कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट,पुलिस अधीक्षक रजत सकचेला,अपर कलेक्टर राजेंद्र कुमार सिंह, अपर कलेक्टर अरविंद सिंह,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा,एसडीएम सोनल सिडाम सहित संबंधित उपस्थित रहे।

अस्थाई एवं आउटसोर्स कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के आह्वान पर 15 अप्रैल को होगा कलेक्ट्रेट का घेराव

मंडला। मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपने 15 अप्रैल को अस्थाई कर्मियों का विशाल समूह अस्थाई एवं आउटसोर्स कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के आवाहन पर घेराव करने कलेक्ट्रेट पहुंचेगा।शैलेष मानिकपुरी, मनोज उईके,दिनेश अहिरवार ने जानकारी देते हुए बताया,कि प्रदेश के शासकीय विभागों,विभिन्न योजनाओं में काम करने वाले अस्थाई कर्मी,तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के अस्थाई आउटसोर्स कर्मचारी न्यूनतम वेतन से वंचित हैं,उनसे 3 से 5 हजार रुपए में काम कराया जा रहा है,उनकी नौकरी में कुछ भी सुरक्षा नहीं है,कभी भी उन्हें नौकरी से निकाल दिया जाता है। जबकि यह सरकार के जमीनी स्तर के सारे महत्वपूर्ण कार्यो को ईमानदारी पूर्वक करते हैं,इन कर्मचारियों में स्कूलों छात्रावासों के अस्थाई अंशकालीन चतुर्थ श्रेणी के भृत्य, सफाईकर्मी, रसोईयाकर्मी,ग्राम पंचायतों चौकीदार,नल जल चालक,पंचायत मनरेगा मेठ श्रमिक,अतिथि शिक्षक,रसोईया,मोबलाईजर,आशा कार्यकर्ता,कोटवार सहित विभिन्न विभागों के आउटसोर्स अस्थाई कर्मचारी शामिल हैं।हजारों की संख्या में ऐसे भी कर्मचारी हैं,जिनसे शासन ने वर्षों से काम कराया और नौकरी से हटा दिया,इनमें अतिथि शिक्षक,संविदा शिक्षा प्रेरक आदि शामिल हैं।शासन की मुफ्त में काम कराने,उपयोग करो और हटा दो वाली नीति से तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के अस्थाई कर्मचारियों के साथ अन्याय हो रहा है,इसी अन्याय को समाप्त कराने,नौकरी में सुरक्षा और न्यूनतम 21 हजार रुपए वेतन,जाब कार्डधारी मनरेगा श्रमिकों के परिवार के हर सदस्य को कम से कम 200 दिन का काम और कलेक्ट्रेट दर पर मजदूरी दिए जाने की मांग के लिए 15 अप्रैल को रपटा घाट से अस्थाई कर्मचारी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वासुदेव शर्मा के नेतृत्व में रैली निकालकर कलेक्ट्रेट का घेराव कर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौपा जाएगा। अस्थाई कर्मचारी मोर्चा के नेतृत्वकर्ताओं ने बताया है, कि राजधानी भोपाल में हुए कामगार क्रांति आंदोलन के बाद अब मंडला में भी न्यूनतम वेतन एवं स्थाई रोजगार के लिए क्रांति आंदोलन होगा और सरकार से सभी अस्थाई कर्मचारियों को नियमित करने और न्यूनतम 21 हजार रुपए देने की मांग की जाएगी।

अवैध कॉलोनी काटने वालों की बड़ी मुश्किलें, कलेक्टर ने दिए 27 कलोनी नाइजरों पर प्रकरण दर्ज करने के निर्देश

सिरोंज । जनता जनार्दन के साथ धोखाधड़ी करने वालों 27 कॉलोनाइजर पर धरातल पर बड़ी कार्रवाई होने वाली है इसके चलते कॉलोनी हजारों में मच गया है कार्रवाई से बचने के लिए प्रयास भी किया जा रहे हैं। मगर कलेक्टर रोशन सिंह जिस तरह से जनता के हित में काम कर रहे हैं उसको देखते हैं इन पर एफआईआर होगी इस समय जितना लगा ले उससे आगे पुलिस और नगर पालिका कुछ नहीं कर पाएगी अभी पुलिस और प्रशासन ढीले रवैया के साथ कदम उठा रही है। कलेक्टर के निर्देश पर नगर पालिका ने शुक्रवार को उनके प्रतिवेदन के साथ 27 कलोनी नाइजारो पर अवैध रूप से कॉलोनी काटने पर मामला दर्ज करने के लिए प्रतिवेदन थाना प्रभारी संदीप सिंह पंवार को दिया था। 4 दिन बीत जाने के उपरांत भी पुलिस प्रकरण दर्ज नहीं कर सकी है। इसके कारण कई तरह की चर्चा में हो रही है पुलिस और नगर पालिका पर अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालो को बचाने में लगी हुई है तभी तो गंभीरता से इस मामले मामले में कार्रवाई नहीं हुई। कार्रवाई के नाम पर औपचारिकता जरूर नगरपालिका ने कर दी दस्तावेज भी नहीं दिए ना आगे पुलिस से कार्रवाई के संबंध में जानकारी लिए इधर पुलिस भी आवेदन लेकर भूल गई है प्रकरण दर्ज करने के लिए नगर पालिका से इनके दस्तावेज मांगना भी उचित नहीं समझा इसके कारण आगे कार्रवाई नहीं हो पाई है या फिर काहे अवैध वालों को बचाने के लिए समय दिया जा रहा है इस बात की

भी चर्चा हो रही।

कार्रवाई में देरी उठने लगे सवाल

पुलिस और प्रशासन जब कलेक्टर के निर्देश पर गंभीरता से चार दिन दी जाने के बाद भी जानता की गाड़ी कमाई को लूटने वालों पर प्रकरण दर्ज नहीं कर पाई इस बात सिंड़ेला इस आम जनता की क्या सुनवाई होती होगी जब कलेक्टर के निर्देश पर भी चार दिन भी जाने के बाद प्रकरण दर्ज नहीं हो पाया है अब जरूर एक दूसरे पर गेंद फेंकने का काम पुलिस और नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारी कर रहे हैं। पुलिस और नगर पालिका प्रशासन कितने ढीले रवैया से अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों पर कार्रवाई के मूड में उसका अंदाजा भी आसानी से लगाया जा सकता है। नहीं तो कलेक्टर के निर्देश पर जनता के साथ धोखा करने वाले अवैध रूप से कलोनी विकसित करने पर नगर पालिका और पुलिस प्रशासन तत्काल कार्रवाई करनी थी पर ऐसा नहीं होने सवाल खड़े होना भी लाजमी है एक तो जनता के साथ अवैध रूप से कॉलोनी काटने वाले ने धोखा किया कॉलोनी काटकर कोई विकास कार्य नहीं करवाए जनता आज भी विकास की बाट जो रही है सरकार को भी टैक्स इन लोगों ने नहीं दिया नगर पालिका को भी कर नहीं मिल पा रहा है। वहीं कलेक्टर जरूर इन पर कार्रवाई करवाएंगे क्योंकि इनका काम करने का तरीका जनता के हित में रहता है उसी का परिणाम है कि कई वर्षों के बाद अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों पर कार्रवाई की फाइल आगे बढ़ पाई है नहीं तो नोटिस के आगे कार्रवाई नहीं होती है इस बार कई सालों के बाद प्रकरण दर्ज करने वाली फाइल आगे बढ़ रही है । आने वाले दिनों में और भी अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों पर इसी तरह की कार्रवाई होगी कुछ कॉलोनीयों को विक्रय से भी प्रतिबंध कलेक्टर और एसडीएम ने किया है इसी तरह की ठोस ठोस कार्रवाई आगे भी जारी रही तो अवैध रूप से कॉलोनी काटने वाले जनता और सरकार के सथ धोखाधड़ी करना भी बंद कर सकते हैं।

इनका कहना है

शुक्रवार को अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों पर कार्रवाई के लिए प्रतिदिन आया था उसके साथ दस्तावेज नहीं दिए है छुट्टियों के बाद नगर पालिका से दस्तावेज लेकर आगे कार्रवाई करेंगे।

संदीप सिंह पवार थाना प्रभारी

कलेक्टर कार्यालय से 27 कॉलोनी कॉलोनाइजरों पर प्रकरण दर्ज करवाने का प्रतिवेदन आया था हमने थाने में इन पर प्रकरण दर्ज करने के लिए दे दिया था आगे क्या कार्रवाई हुई उसकी जानकारी नहीं है।

राम प्रकाश साहू मुख्य नगर पालिका अधिकारी सिरोंज

कारतूस बनाने की सामग्री सहित आरोपी गिरफ्तार

दमोह देहात थाना की सागर नाका पुलिस चौकी की बड़ी कार्रवाई

दमोह। पुलिस अधीक्षक दमोह एवं अति. पुलिस अधीक्षक दमोह के द्वारा आरोपियों की धरपकड़ एवं अवैध हथियार पर कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया है जो नगर पुलिस अधीक्षक दमोह के मार्गदर्शन में दिनांक 13.04.2025 को मुखबिर की प्राप्त सूचना तस्दीक पर न्यू ब्रिज के नीचे पप्पू पटेल के घर के पास सागरनाका पर आरोपी उपरोक्त से पृथक-2 अवैध दो माऊजर, 01 बारह बोर कट्टा, कारतूस, चाकू एवं कट्टा कारतूस बनाने की सामग्री जप्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया एवं उक्त आरोपियों के विरूध्द थाना दमोह देहात में अप.क्र. 261/25 धारा 25/27,25 (1) आर्म्स एक्ट, 111 बी.एन.एस. पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया। कट्टा कारतूश बनाने की सामग्री तथा खाली कारतूश के खोके कीमती करीबन 6000 रूपये, कुल मशरूका कीमती करीबन

50500 रूपये इस कार्यवाही में आरोपियों को गिरफ्तार करने में थाना प्रभारी दमोह देहात निरीक्षक रचना मिश्रा, चौकी प्रभारी सागरनाका सउनि रमाशंकर मिश्रा, सउनि अकरम खान, प्र.आर. 144 संजय पाठक, प्र.आर.840 आलोक, प्र.आर. 765 कामता, आर. 843 गौरव, आर. 352 नितिन राज, आर 368 शोएब मिर्जा, आर. 231 दीपेश थाना दमोह देहात, प्रआर. महेश यादव, आर. 589 देवेन्द्र, र. के. प्रआर. राकेश अठ्या, प्रआर. सौरभ टंडन साईवर सेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

विधानसभा स्तरीय नाइट कबड्डी टूर्नामेंट का हो रहा आयोजन

दमोह। जबेरा विधानसभा के नोहटा में रानी अवंतीबाई परिसर में नाइट कबड्डी टूर्नामेंट का आयोजन 6 अप्रैल से शुरू हुआ था। जिसमें 32 टीमों ने हिस्सा लिया और प्रतिदिन शाम 6:00 बजे से देर रात तक प्रतिदिन 6 मैचो का आयोजन किया जाता है। टूर्नामेंट के आयोजक नितेंद्र सिंह ने बताया कि मंत्री धर्मेन्द्र लोधी के निर्देशन में टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है जिसमें जबेरा विधानसभा से 32 टीमों को शामिल किया गया है। अभी लीग मैचों का आयोजन किया जा रहा है एवं 14 अप्रैल दिन सोमवार से क्वार्टर फाइनल का आयोजन किया जाएगा।

युवाओं को शिक्षा और संस्कारों के साथ खेलों का भी जीवन में बड़ा महत्व है जिससे शारीरिक एवं बौद्धिक विकास होता है। जिसका लाइव स्कोर चैलेंज प्लेस पर प्रसारित किया जा रहा है आप घर बैठे भी इस टूर्नामेंट का आनंद उठा सकते हैं।

दुकानदार अतिक्रमण न कर दुकान में ही सामान रखें: ललिता यादव

हनुमान जयंती पर विधायक ने हनुमान मन्दिर में की महाआरती

छतरपुर। हनुमान जयंती के अवसर पर छतरपुर विधायक श्रीमती ललिता यादव ने शनिवार को गाँधी चौक पर आयुर्वेदिक हॉस्पिटल परिसर मे स्थित हनुमान मन्दिर मे प्रभु श्रीराम के अनन्य भक्त हनुमानजी महाराज की महाआरती की और छतरपुरवासियों के लिए सुख, शांति और समृद्धि की प्रार्थना की। इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री सुरेंद् चौरसिया, जिला उपाध्यक्ष अशोक दुबे, परसराम शुक्ला, लालू लालवानी सहित अनेक व्यापारी उपस्थित रहे।

छतरपुर विधायक ललिता यादव ने गाँधी चौक से गल्ला मंडी और गोवर्धन टाकीज तक रोड पर फैले अतिक्रमण को हटा कर दुकान मे ही सामान लगाने की बात कही। उन्होंने दुकानदारो से कहा कि आप लोग जब निकलने तक की जगह नही छोडेगे तो वह दिन भी दूर नही जब लोग यहाँ सामान भी लेने नही आएँगे और तब आप अपनी बिक्री न होने के जवाबदार खुद होगे। छतरपुर विधायक ने नगर पालिका और पुलिस से सख्ती से सामान जप्त करने और जुर्माना की कार्यवाही करने को कहा। व्यापारियों और भक्तजनो की शिकायत पर विधायक श्रीमती ललिता यादव ने मन्दिर परिसर मे सालों से जबरन डीजे पिकअप वाहन रखने वाले को तत्काल हटाने की हिदायत दी साथ ही कोतवाली टीआई अरविंद दांगी को यहाँ वाहन खड़ा मिलने पर जप्त करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही इसके साथ ही उन्होंने कहा कि व्यापारी किसी भी अराजकता फैलाने वाले से डरें नही वह सबके साथ हमेशा मिलेगी।

संत संतोख सिंह भजनगढ़ गुरुद्वारा में बैसाखी पर्व बड़े धूमधाम से मनाया गया

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)। वार्ड नंबर 10 अर्जुन नगर में स्थित संत संतोख सिंह भजनगढ़ गुरुद्वारा में बैसाखी पर बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। सुबह 10 बजे दीवान सजाया गया । फिर कथाकार जगजीत सिंह (जीते भैया) ने कथा श्रवण कराते हुए बताया कि बैसाखी का पर्व शांति ,अमन , भाईचारे का पर्व है,, एवं आज के दिन से ही किसान पूजा पाठ करके अपनी फसल की कटाई का काम का शुभारंभ करते हैं,,

उन्होंने बताया कि आज के ही दिन सन 1699 में गुरु गोविंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना की थी , जिसे सिक्ख सर्जना दिवस कहकर संबोधित करते हैं ,यह त्यौहार पंजाब में सभी समुदाय इकट्ठा होकर मनाते हैं, और खुशियों का इजहार करते हैं , उन्होंने कहा कि पंजाब में समस्त धार्मिक स्थलों पर लंगर प्रसाद प्रसादी बटती हैं, कथा के बाद भोपाल से पधारे साथी कुलविंदर सिंह रागी जत्थैं ने बैसाखी पर्व पर भजन कीर्तन के द्वारा बैसाखी पर्व की व्याख्या कर सबको निहाल कर दिया। दोपहर 1 बजे गुरुद्वारे के वजीर भाई भगवान सिंह जी द्वारा अरदास की गई , अरदास के उपरांत गुरु प्रसाद एवं लंगर बाटा गया । बैसाखी पर्व के कार्यक्रम में छोटे-छोटे नोनिहाल बालको में अति उत्साह देखा गया, माताऐ बहने भी बड़ी संख्या में उपस्थिति रही , इस धार्मिक कार्यक्रम में नगर के प्रतिष्ठित लोगों ने भी उपस्थित होकर गुरुजी का आशीर्वाद लिया एवं लंगर, प्रसादी भी ग्रहण की !

कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्तागण एवं जन प्रतिनिधियों में रविंद्र विजयबर्गीय , जेपी शर्मा , सोनू चौकसे , सुनील सेरिया , आमिर मनमून, नरेश शेट्टी राजेंद्र साहू (गुड्डू भैया) , सुरजीत सिंह बिल्ले , देवेंद्र सिंह (राजू),पवित्रा कौर गंगाराम टेलर हरपाल राजपूत, प्रीतम सिंह राजपूत भूपेंद्र मेहरा आदि सहित उपस्थित जन प्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं सभी का गुरुद्वारा समिति ने सरोफा भेंट कर स्वागत किया गया ।

138 मरीजों की आंखों की जांच, 17 को भेजा चित्रकूट

छतरपुर। सरानी दरवाजा बाहर स्थित सिद्धपीठ माँ महालक्ष्मी मंदिर में आयोजित नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर में शनिवार को 138 मरीजों की आंखों की जांच की गई तथा इनमें से 17 मरीजों को मोतियाबिंद पाए जाने पर उन्हें लेंस प्रत्यारोपण के लिए चित्रकूट रवाना कर दिया गया। नेत्र शिविर का आयोजन नगर अग्रवाल समाज एवं अग्रवाल नवयुवक मंडल ने संतोष कुमार अग्रवाल और गोयल परिवार के सहयोग से उनके पिता रामलाल अग्रवाल एवं माताजी कमला देवी की स्मृति में किया था। शिविर में सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम डॉ अरविंद मिश्रा, रोहित लखेरा, ओंकार यादव, राजेश यादव, मनीष यादव और विजय पांडे ने 138 मरीजों का नि:शुल्क नेत्र परीक्षण कर आवश्यक सलाह दी तथा नि:शुल्क दवा एवं चश्मा भी दिया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री मध्य प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अरुण यादव आष्टा पहुंचे

आष्टा। पूर्व केंद्रीय मंत्री मध्य प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अरुण यादव आष्टा पधारे गत दिवस पूर्व पार्षद ओम नामदेव एवं शेखपुरा के पूर्व पार्षद वसीमुद्दीन साहब का देहांत हो गया था इस दुखत घड़ी में परिवार जनों से मिलने अरुण यादव आष्टा पधारे और परिवार जनों को संतवना दीं इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता भैया मियां पूर्व शहर कांग्रेस अध्यक्ष इदरीस मंसुरी पूर्व पार्षद सोहेल मिर्जा राजेश यादव सुभाष नामदेव रिंकू नामदेव शेख नईमुद्दीन राशिद नेताजी मोहम्मद राशिद सुनील सेठी पूर्व पार्षद कलीमुद्दीन लक्ष्मी नारायण विश्वकर्मा युवा नेता फैजुद्दीन तौसीफुद्दीन नरेन्द्र कुशवाश नफीस खा सिराजुद्दीन सुल्तान बाबा मसीह आलम देवराज परमार इमरान डीलक्स परमार आदि लोग मौजूद थे।

सूर्य का मेष राशि में प्रवेश

गुरुद्वारे में मना बैसाखी पर्व

विदिशा। स्वर्णकार कॉलोनी स्थित गुरुद्वारे में रविवार को गुरु नानक प्रबंधक कमेटी पंजाबी समाज द्वारा बैसाखी पर्व मनाया गया।

बैसाखी के पावन अवसर पर गुरुद्वारे में आयोजित कार्यक्रम में ज्ञानी मनजीत सिंह एवं गुरु नानक प्रबंधक कमेटी के प्रधान सेवक सुरेंद्र चावला के नेतृत्व में पूर्व आईएएस नरेश पाल कुमार का अभिनंदन डॉ. के. एल. कुमार एवं आज्ञा राम अरोडा द्वारा किया गया।

नरेश पाल कुमार के बड़े भाई जसविंदर पाल द्वारा अखंड पाठ साहब का प्रारंभ एवं निशान साहब की सेवा कराई गई । अखंड पाठ साहब की सेवा उपरांत अटूट लंगर का आयोजन किया गया । नरेश पाल कुमार ने सभी के साथ लंगर छका एवं सेवा की जिसमें सभी सामाजिक भाई- बहनों का पूर्ण सहयोग रहा ।

गुरु नानक प्रबंधक कमेटी के प्रधान सेवक सुरेंद्र चावला ने बताया कि आज का दिन बैसाखी पर खालसा पंथ की स्थापना का दिन है । आज के दिन से पंजाब में फसल कटाई शुरू की जाती है इस उपलक्ष में गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा धूमधाम से बैसाखी पर्व मनाया गया तथा जलियांवाला बाग घटना में शहीदों को नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की ।

खुशियों की नई शुरुआत का पर्व है बैसाखी

आईएएस नरेश पाल कुमार ने कहा कि बैसाखी खुशियों और नई शुरुआत का पर्व है। बैसाखी का दिन किसानों के लिए विशेष महत्व रखता है। बैसाखी आने तक रबी की फसल पक जाती है। ऐसे में किसान अपनी फसलों की कटाई की खुशी में बैसाखी मनाते हैं।

सूर्य देव की स्तुति का विशेष दिन

श्री पाल ने कहा कि बैसाखी सूर्यदेव की स्तुति का भी विशेष दिन माना जाता है क्योंकि जब सूर्य मेष राशि में प्रवेश करते हैं, तो बैसाखी का पर्व मनाया जाता है। बैसाखी को वैशाख संक्रांति नाम से भी जाना जाता है।

पुण्यकाल आज

ज्योतिष ज्ञाताओं की माने तो सूर्य 14 अप्रैल यानि सोमवार को मेष राशि में प्रवेश करेंगे और इस दिन स्नान-दान का आरंभ होगा यानी पुण्यकाल की तिथि 14 अप्रैल है। सुबह 9 बजकर 43 मिनट पर स्नान-दान कर सकते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार दान करने के लिए हर समय श्रेष्ठ होता है इसलिए वैशाख संक्रांति के आरम्भ पुण्यकाल दोनों ही समय पर दान-पुण्य कर सकते हैं।

बैसाखी, वैशाख संक्रांति या मेष संक्रांति का महत्व

वैशाख संक्रांति पर सूर्य देव की पूजा और दान का महत्व है। इसे नया साल मानते हैं। सूर्य देव को ग्रहों का राजा कहते हैं इसलिए उनके राशि बदलने का असर सब पर होता है। मेष संक्रांति पर सूर्य देव की पूजा करने से जीवन में अच्छी ऊर्जा आती है। यह दिन किसानों के लिए खास है क्योंकि इस दिन फसल कटाई शुरू होती है। सूर्यदेव की स्तुति के साथ वैशाख संक्रांति पर भगवान शिव और देवी काली की पूजा भी की जाती है।

कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत नारायणगंज

(ई-मेल-jp_narayanganj @rediffmail.com)

क./2749/जप/निविदा/2025/ नारायणगंज दिनांक 09/04/2025

संक्षिप्त निविदा सूचना

जनपद पंचायत रारायणगंज में मुख्यमंत्री कन्या विवाह / निकाह योजना 2025 के तहत दिनांक 20/04/2025 को सामूहिक विवाह का आयोजन जनपद पंचायत नारायणगंज किया जा रहा है। जिसमें वर-वधू को प्रदाय की जाने बाली सामग्री पूर्ति हेतु निविदा निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है।

क्रं.	सामग्री का विवरण	मात्रा
1	**टेट व्यवस्था**:साउन्ड सिस्टम प्रतिनग, माईक प्रतिनग 20 गुणा 40 मंच, सोफे एवं कुसी सहित प्रतिनग कूलर प्रतिनग पर्दे प्रतिनग जनरेटर सेट प्रतिनग, सेन्टर टेबिल क्लाथ मच के लिये प्रति टेबिल एलाउस टेबिल सीलिग बिछाई सहित प्रतिनग।	
2	श्रृंगार में धगडी मुकुट क्यू के लिये, माला वर-वधू के लिये, चुनरी लाल जयमाला वर-वधू के लिये पीला गमछा प्रतिनग।	
3.	**भोजन व्यवस्था** –दाल, चावल, पुड़ी सब्जी एक, रायता,	5500 अनुमानित व्यक्ति
4.	**पूजन सामग्री**–बाती नारियल, हल्दी, सुपाड़ी, तेल की एक सीसी छोटी, महावर, कपूर धूप पैकेट आम की लकड़ी, टोकनी प्लास्टिक की प्रतिनग ।	
5.	बेदी मिटटी की कलश दिया प्रतिनग	

उपरोक्त सामग्री हेतु निविदा पत्र बंद लिफाफे में दिनांक **15.04.2025** को समय 12 बजे तक इस कार्यालय में जमा करें। निविदा पत्र के साथ सामग्री का नमूना एवं क्रमांक 01 से 04 तक अलग तक अलग अलग निविदा के लिये राशि 5000/- रुपए नगद जमा करना होगा। तभी निविदा पत्र मान्य किया जावेगा। निविदा दिनांक **15.04.2025** को कार्यालय समय 12.30 बजे समिति के समक्ष खोली जावेगी। निविदा से सबंधित विस्तृत नियम व शर्ती कार्यालयीन समय में सूचना पटल पर देखी जा सकती हैं, कम निविदा दर वाली फर्म की सामग्री जनपद पंचायत नारायणगंज में पहुंचाकर देना होगा। समिति का निर्णय अंतिम एवं मान्य होगा।

टीप आयकर दाताओं को प्राथमिकता दी जावेगी टीडीएस कटौती सहित्त जोडो की संख्या संभावित होने से सामग्री की मांग घट या बढ़ सकती है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत नारायणगंज नारायणगंज

चलती ट्रेन से गिरते ही आरपीएफ जवान ने बचाई यात्री की जान

भोपाल स्टेशन पर प्रधान आरक्षक नितिन अमरोही की सतर्कता से टली बड़ी दुर्घटना

भोपाल। मंडल रेल प्रबंधक श्री देवाशीष त्रिपाठी के मार्गदर्शन में पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल मंडल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में भोपाल रेलवे स्टेशन पर एक सतर्क रेल सुरक्षा बल जवान द्वारा दिखाई गई फुर्ती और संवेदनशीलता ने एक यात्री की जान बचा ली। घटना 12 तारीख की बताई जा रही है। गाड़ी संख्या 20103 गोरखपुर एक्सप्रेस जब भोपाल स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 2 से रवाना हो रही थी, उस समय विदिशा निवासी राहुल सिंह राजपूत, जो स्लीपर कोच के पायदान पर बैठा था, असंतुलित होकर नीचे गिरने लगा। प्लेटफॉर्म पर ड्यूटी पर तैनात रेल सुरक्षा बल के प्रधान आरक्षक नितिन अमरोही ने स्थिति की गंभीरता को तुरंत भांपते हुए बिना एक पल गंवाए तेजी से कार्रवाई की। उन्होंने गिरते हुए यात्री को थाम लिया और उसे ट्रेन के नीचे जाने से बचाते हुए सुरक्षित स्थान पर खींच लिया। इस साहसिक प्रयास के कारण यात्री को किसी भी प्रकार की शारीरिक चोट नहीं आई। यदि यह त्वरित प्रतिक्रिया नहीं होती, तो यह घटना एक बड़ी दुर्घटना में बदल सकती थी। यह कार्य न केवल ऋक्ष्न की सतर्कता का प्रमाण है, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।इस संबंध में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया, रेलवे में यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रधान आरक्षक नितिन अमरोही द्वारा दिखाई गई तत्परता अत्यंत सराहनीय है और यह समस्त सुरक्षा बल के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करती है।पश्चिम मध्य रेलवे यात्रियों से अपील करता है कि यात्रा के दौरान कोच के दरवाजे या पायदान पर बैठने से परहेज करें और हमेशा अपनी सुरक्षा का ध्यान रखें। आपकी सतर्कता और रेलवे की सजगता मिलकर ही एक सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित कर सकती है।

भोपाल के टीटी नगर गुरुद्वारे में बैसाखी के मौके पर कीर्तन दरबार लगाया गया।

रविवार को भोपाल प्रवास पर आए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का स्टेट हेंगर पर पूर्व गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा ने आत्मीय अगवानी कर स्वागत-अभिनंदन किया।

अखिल भारतीय लोधा लोधी लोध क्षत्रिय महासभा का दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी अधिवेशन मुंबई के खारघर में सम्पन्न

मुंबई। अखिल भारतीय लोधी लोधा लोध महासभा द्वारा दो दिवसीय कार्यक्रम नवी मुंबई के खारघर में रखा गया, जिसमें प्रथम दिन प्रथम शहीद स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी की शोभा यात्रा का आयोजन किया गया, क्षेत्र के प्रमुख मार्गों से होते हुए सम्पन्न हुई, जिसमें बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु उपस्थित हुए। दूसरे दिन राष्ट्रीय कार्यकारिणी अधिवेशन की बैठक का आयोजन हुआ जिसमें महासभा का ब्लॉक स्तर तक प्रसार, समाज के शैक्षणिक सामाजिक राजनैतिक भागीदारी पर चर्चा एवं समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने पर चिंतन मनन किया गया। बैठक में संपूर्ण भारत के विभिन्न प्रदेशों के राष्ट्रीय पदाधिकारी एवं प्रदेश पदाधिकारी उपस्थित हुए। जालम सिंह पटेल ने कहा कि लोधी, लोधा और लोध क्षत्रिय समाज का इतिहास बहादुरी का इतिहास है। देश के स्वतंत्रता संग्राम में समाज के वीरों और महापुरुषों ने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया।

लगातार बढ़ते दाम थमे, आज सोना-चांदी की कीमतों में स्थिरता

मुंबई, एजेंसी। अक्षय तृतीया से पहले सोने और चांदी की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। किन्तु आज सोने के दामों में लगातार बढ़ोतरी के बाद कीमतों में स्थिरता बनी हुई हैं। अगर आप आज सोमवार, 14 अप्रैल 2025 को सोना या चांदी खरीदने का मन बना रहे हैं, तो मौजूदा दाम जरूर जान लें। आज सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना 95,820 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेंड कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 87,850 रुपये प्रति 10 ग्राम है। वहीं, 18 कैरेट सोना 71,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास बना हुआ है। चांदी की बात करें तो 1 किलो चांदी का रेट आज 1,00,000 रुपये तक पहुंच चुका है। त्योहार से पहले बढ़ती कीमतों के चलते बाजार में हलचल तेज हो गई है, ऐसे में यह समय खरीदारी के लिहाज से अहम साबित हो सकता है।

3 हजार के सालाना पास से देशभर में कार दौड़ाइए, जल्द घोषित होगी नई टोल नीति!

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार ने नई टोल नीति का मसौदा तैयार कर लिया। राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे की टोल समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रस्तावित नई टोल नीति शुल्क में करीब 50त्न तक राहत देने का फैसला किया गया है। साथ ही सरकार लोगों को 3 हजार रुपए के वार्षिक पास की भी सुविधा देगी। ये पास राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे के साथ ही राज्यों के एक्सप्रेसवे पर भी मान्य होंगे। इसके लिए अलग से पास की जरूरत नहीं होगी। शुल्क भी फास्टैग अकाउंट के जरिए अदा किया जा सकता है। नई टोल नीति लगभग तैयार है और इसकी घोषणा कभी भी हो सकती है। इसमें टोल गेटों को समय सीमा के भीतर समाप्त करने का संकल्प भी है। नई टोल नीति प्रति किलोमीटर निर्धारित शुल्क पर आधारित होगी। मोटे तौर पर सौ किलोमीटर के लिए एक कार को पचास रुपये का टोल शुल्क देना होगा। नई टोल नीति के निर्माण से जुड़े सूत्र के अनुसार, अभी मासिक पास ही जारी किए जाते हैं, जो स्थानीय लोगों को एक टोल प्लाजा पार करने में राहत देते हैं। लेकिन, नई नीति में तीन हजार रुपये का वार्षिक पास हासिल कर कोई कार पूरे साल असीमित किलोमीटर की यात्रा कर सकती है। उसे किसी एक्सप्रेस वे अथवा हाइवे पर कोई शुल्क नहीं देना होगा। सबसे बड़ी अड़चन कंसेसनरों और कांट्रैक्टरों के मौजूदा अनुबंध थे, जिनमें इस तरह की सुविधा का कोई प्रविधान नहीं है। सूत्रों के अनुसार, उनकी आपत्तियों को दूर करने के लिए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय क्षति की भरपाई करने पर सहमत हो गया है। यानी कंसेसनायर अपने टोल प्लाजा से गुजरने वाले वाहनों का डिजिटल रिकार्ड रखेंगे और उनके दावे और वास्तविक वसूली में जो अंतर होगा, उसकी भरपाई एक फार्मूले के अनुसार सरकार की ओर से की जाएगी।

सूत्रों के अनुसार कंसेसनरों की आपत्ति, राज्यों में वाहनों की आयु सीमा के अलग-अलग नियमों और बैंकों की हिचक के कारण सरकार ने अब आजीवन पास जारी करने का विचार छोड़ दिया है। पहले लाइफटाइम पास के रूप में तीस हजार रुपये में 15 वर्ष तक वैध रहने वाला पास जारी करने के बारे में सोचा गया था, लेकिन इस पर सभी पक्षों की सहमति नहीं बनी। इसके लिए उपभोक्ताओं के आगे आने के आसार भी कम थे। नई टोल नीति टोलिंग को बढ़ावा देने वाली होगी। इससे संबंधित तीन पायलट प्रोजेक्टों के सकारात्मक नतीजे मिले हैं। सटीकता का स्तर 98त्न के आसपास पहुंच रहा है। बैंकों के साथ इस चिंता का भी समाधान कर लिया गया है कि अगर कोई वाहन टोल अदा किए बिना सड़क नेटवर्क से निकल जाता है, तो टोल की वसूली कैसे होगी। इसके लिए बैंकों को और अधिकार दिए जाएंगे। वे फास्टैग समेत पेमेंट के अन्य माध्यमों में न्यूनतम बैलेंस की शर्त लगा सकते हैं और अधिक पेनाल्टी थोप सकते हैं। नई टोल नीति निर्माण में सलाहकारों ने मंत्रालयों को बैंकों को वे साइड एमेनिटीज के स्वामित्व में हिस्सेदारी की सलाह भी दी है। इसकी शुरुआत दिल्ली-जयपुर हाईवे से किए जाने के आसार हैं। मंत्रालय के एक अन्य अधिकारी के अनुसार बैरियर फ्री इलेक्ट्रानिक टोलिंग के लिए आटोमैटिक नंबर प्लेट रिकॉगनिशन सिस्टम (एएनपीआर) पूरे देश में इसी साल के अंत तक लागू हो जाएगा। शुरुआत भारी वाहनों और खतरनाक सामग्री ले जाने वाले ट्रकों से की जाएगी। पूरे नेटवर्क की मैपिंग हो चुकी है, नई तकनीक-सेंसर और कैमरे सभी क्षेत्रों में लगाए जा रहे हैं। फास्टैग और एएनपीआर मिलकर नए जमाने की टोल प्रणाली की जरूरत को पूरा करेंगे। केंद्र सरकार राज्यों से भी बात कर रही है कि वे इस प्रणाली में शामिल हों ताकि सभी तरह की सड़कों को इसमें कवर किया जा सके। अवैध-अक्रिय फास्टैग बड़ी समस्यासरकार के दावों के विपरीत टोल प्लाजा में भीड़भाड़ बनी रहने और लोगों को होने वाली असुविधा को दूर करने के लिए हाईवे प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों ने पिछले 15 दिन में दो बार अपनी एजेंसियों, कंसेसनायरों और परियोजना निदेशकों के साथ बैठक की है। लोगों को सामान्य शिकायत रहती है कि गेट के करीब पहुंचने के बाद भी स्कैनर सही तरह काम नहीं करते हैं और उन्हें अपनी गाड़ी आगे-पीछे करनी पड़ती है।

तीन दिवसीय राज्य स्तरीय ऑनकोपैथ सीएमई और प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

भोपाल। तीन दिवसीय राज्य स्तरीय ऑनकोपैथ सीएमई एवं कार्यशाला का आयोजन पैथोलॉजी विभाग, चिरायु मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल भोपाल और एसोसिएशन ऑफ पैथोलॉजिस्ट्स एंड माइक्रो बायोलॉजिस्ट्स भोपाल ने किया। सचिव डॉक्टर रमेश माधव ने बताया मध्य प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए 200 से अधिक प्रतिनिधियों की भागीदारी के साथ तीन दिवसीय राज्य स्तरीय ऑनकोपैथ सीएमई और कार्यशाला का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। पहले दिन कार्यक्रम की शुरुआत प्रयोगशाला तकनीशियनों के लिए हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण कार्यशाला से हुई, जिनमें जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों के तकनीशियन शामिल थे।

प्रेसिजन इन लेबोरेटरी टेक्निक्स विषय पर यह प्रशिक्षण टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल की शिल्पा कुश्टे और श्रीमती सरिका द्वारा दिया गया, जिसमें लगभग 60 तकनीशियनों को स्टेनिंग तकनीक, स्टेन्स की तैयारी, ग्राफ की व्याख्या आदि की जानकारी दी गई। बोन सारकोमा, लिम्फोमा, सर्वाइकल और ओवेरियन कैंसर जैसे जटिल कैंसर मामलों पर चर्चा हेतु एक ट्यूमर बोर्ड मीटिंग आयोजित की गई। इस चर्चा में भाग लिया। डॉ. अनिता बोर्गेस (प्रसिद्ध हिस्टोपैथोलॉजिस्ट, एस.एल. रहेजा हॉस्पिटल, मुंबई डॉ. सुमीत गुर्जराल, डॉ. केदार देवधर, डॉ. मुक्ता रमदवार (टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल, मुंबई)डॉ. जया घोष (गायनी ऑन्कोलॉजिस्ट) डॉ. मनीष पृथी (मस्कुलोस्केलेटल ऑन्कोलॉजिस्ट) यह सत्र एक बहुविषयक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करने वाला रहा, जिसमें ऑनको सर्जन, ऑन्कोलॉजिस्ट, रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट और पैथोलॉजिस्टों ने मिलकर विचार साझा किए। चिरायु मेडिकल कॉलेज, भोपाल की टीम ने भी भाग लिया। डॉ. अनिकेत गोयनका, डॉ. अंकित अग्रवाल, श्री दिलीप भोजवानी, डॉ. देश दीपक, डॉ. नितिन खंताल और डॉ. अंजलि कन्हेरे। इस सत्र को उपस्थित फैकल्टी और पीजी छात्रों के लिए अत्यंत उपयोगी और ज्ञानवर्धक माना गया। दूसरे दिन 11 अप्रैल को कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन डॉ. अजय गोयनका (प्रेसिडेंट, चिरायु यूनिवर्सिटी) एवं नीलम गोयनका (चांसलर, चिरायु यूनिवर्सिटी) द्वारा किया गया। आयोजन अध्यक्ष डॉ. रीनी मलिक ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस दिन सभी अतिथि वक्ताओं को इस शैक्षणिक आयोजन में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। दूसरे दिन का मुख्य आकर्षण रहा लाइव टिशू माइक्रोस्कोपी सत्र, जिसमें राज्यभर के पैथोलॉजिस्टों द्वारा प्रस्तुत रोचक और जटिल मामलों पर केस-आधारित चर्चाएं हुई।यह सत्र विशेष रूप से अनोखा रहा क्योंकि इसमें स्लाइड्स को स्क्रीन पर सीधे दिखाकर डायग्नोसिस के दृष्टिकोण पर चर्चा की गई। यह सहभागिता आधारित एवं वास्तविक समय में सीखने वाला अनुभव था। डॉ. अनूप निगम , डॉ. पुनीत टंडन, कर्नल नेमा, डॉ. डी.पी. लोखवानी , डॉ. वी.के. भारद्वाज, डॉ. पी. राजनी, डॉ. एस.के. गौर और कई वरिष्ठ पैथोलॉजिस्टों ने इस सत्र में भाग लिया। तीसरे दिन इस दिन विशेषज्ञों ने विभिन्न कैंसरों की पहचान व इलाज पर व्याख्यान दि। डॉ. अनिता बोर्गेस, डॉ. सुमीत गुजराल, डॉ. केदार देवधर, डॉ. मुक्ता रमदवारडॉ. जया घोष, डॉ. श्वेता बंसल, डॉ. नेहा सेठी, डॉ. रूबी खान, विषयों में एंडोमेट्रियल, सर्वाइकल और ओवेरियन कैंसर, बोन ट्यूमर, सॉफ्ट टिशू ट्यूमर, लिम्फोमा और उनके आणविक एवं आनुवंशिक पहलू शामिल थे। यह सत्र अत्यंत ज्ञानवर्धक रहा और प्रतिभागियों ने सक्रिय भागीदारी की। यह पहली बार था जब मध्य प्रदेश में लाइव माइक्रोस्कोपी के माध्यम से ऐसा अत्याधुनिक अकादमिक सत्र आयोजित हुआ। कार्यक्रम का समापन हुआ। इसमें सबसे भावनात्मक क्षण रहा। पैथोलॉजी के पहले वर्ष के आठ पीजी छात्रों को माइक्रोस्कोप का वितरण।

इस गर्मी ऊषा एयरोस्टाइल कूलर्स के साथ अपने घर में लाएं ठंडक

पेश है हीरो प्रोडक्ट्स - एयरोस्टाइल 100लीटर डेजर्ट कूलर और उएयरोस्टाइल इलेक्ट्रॉनिक 50लीटर टावर कूलर

नई दिल्ली, एजेंसी। ऊषा इंटरनेशनल अपने ग्राहकों के लिए,एरोस्टाइल कूलर की सबसे ज़्यादा बिकने वाली रेंज के साथ, ऐसे उत्पाद लाने की अपनी विरासत को जारी रखे हुए है जो अभिनव, अत्याधुनिक तकनीक, आकर्षक डिज़ाइन और सहज कार्यक्षमता से लैसहों। सुविधाओं से समझौता नहीं करने वाले लोगों के लिए डिज़ाइन किए गए ये दोनों कूलर उच्च प्रदर्शन वाले हनीकॉम्ब कूलिंग पैड, एकीकृत बर्फ कक्ष और अधिकतम शीतलन दक्षता के लिए शॉवर वितरण प्रणाली से सुसज्जित हैं। बिल्ट-इन डस्ट फ़िल्टर, ऑटो-स्विंग कार्यक्षमता के साथ मोटराइज्ड वर्टिकल लूवर और पूरी तरह से बंद होने वाले फ्रंट लूवर धूल और मच्छरों को दूर रखते हुए स्वच्छ वायु प्रवाह सुनिश्चित करते हैं। तीन स्तरीय-स्पीड सेटिंग्स, जल स्तर संकेतक और इन्वर्टर पर भी काम करने योग्य, एयरोस्टाइल रेंज बिजली के उतार-चढ़ाव के दौरान भी निर्बाध शीतलन की गारंटी देती है।एयरोस्टाइल 100लीटरकूलर बड़ीजगहों के लिए डिज़ाइन किया गया, जिसमें 12 मीटर तक की हवा फेंकने वाला एक शक्तिशाली 45.5 सेमी ब्लेड वाला पंखा है, जो 48 वर्ग मीटर तक के क्षेत्रों को प्रभावी रूप से ठंडा करता है। इसका मैनुअल ह्यूमिडिटी कंट्रोल और ऑटो-ड्रेन फ़ंक्शन रखरखाव को आसान बनाता है, जबकि बॉल-बेयरिंग से लैस फैन मोटर सुचारू, लंबे समय तक चलने वाला संचालन सुनिश्चित करता है। अतिरिक्त सुविधा के लिए, सुरक्षित लॉक के साथ आसान-गतिशीलता वाले कैस्टर व्हील स्थिरता प्रदान करते हैं, जिससे यह विस्तृत स्थानों के लिए उत्तम शीतलन समाधान बन जाता है। यह मॉडल 70लीटरवैरिएंट में भी उपलब्ध है।15 वर्ग मीटर तक के छोटे से मध्यम आकार के कमरों के लिए उपयुक्त, एयरोस्टाइल इलेक्ट्रॉनिक टावर कूलर 50लीटरमें शक्तिशाली कूलिंग के साथ स्पेस-सेविंग टावर डिज़ाइन का मिश्रण है।

भोपाल के मेनिट में फ़ूड पॉइज़निंग से एक दर्जन से ज्यादा स्टूडेंट्स बीमार

भोपाल। यहां के इंजीनियरिंग संस्थान में दो दर्जन से ज्यादा स्टूडेंट्स की तबियत खराब हो गई। इससे हड़कंप मच गया। यहां के मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मेनिट) में यह घटना घटी। कई छात्रों की अचानक तबीयत बिगड़ गई, जिन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। उनका इलाज जारी है। बताया गया कि खाना खाने के बाद स्टूडेंट्स बेसुध हो गए। फूड प्वाइजनिंग की वजह से छात्रों की तबीयत खराब हुई। छात्रों के बीमार हो जाने की खबर मिलते ही प्रबंधन में हड़कंप मच गया। यहां के कई छात्र-छात्राओं की तबीयत बिगड़ी, कई स्टूडेंट बेसुध मिले। खाना खाने के बाद 20 से 25 छात्र छात्राओं का यह हाल हुआ। घटना के बाद मैनिट प्रबंधन ने सभी प्रभावित छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराया। उनका इलाज अभी जारी है। जानकारी के मुताबिक फूड प्वाइजनिंग की वजह से स्टूडेंट की तबीयत बिगड़ी।

पुराना और खराब भोजन दिया: कई छात्रों ने बताया कि मैनिट में पुराना और खराब भोजन दिया गया जिसे खाते ही तबीयत बिगड़ गई है। इस मामले में अब तक मैनिट प्रबंधन ने कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया। फिलहाल प्रबंधन छात्रों के इलाज कराने और उनके स्वास्थ्य पर नजर रख रहा है। छात्रों ने मैनिट में खराब खाना परोसने का आरोप लगाया है।मेनिट में शुक्रवार शाम और शनिवार सुबह परोसे गए भोजन के बाद छात्रों की तबीयत बिगड़ी। करीब 30 छात्रों को उल्टी, पेट दर्द और सिर दर्द की शिकायत हुई, कई स्टूडेंट बेसुध से हो गए। प्रभावित छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। मेनिट प्रबंधन ने कहा कि सिर्फ 15 छात्रों की तबियत खराब हुई। डॉक्टरों का कहना है कि यह फूड प्वाइजनिंग का मामला हो सकता है। बॉयज हॉस्टल-4 के छात्रों के फूड पॉइजनिंग का शिकार होने की सूचना के बाद खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम ने मेस का निरीक्षण किया।खाद्य पदार्थों के नमूने एकत्रित किए गए। चावल, तुअर दाल, आटा, बेसन, पनीर और सब्जी आदि नमूने लैब में जांच के लिए भेजे गए। स्टूडेंट्स ने बताया कि शनिवार रात में कई छात्रों की तबीयत बिगड़ गई, जिन्हें आसपास के अस्पतालों में ले जाया गया। इस दिन सुबह सभी ने नाश्ते में आलू के पराठे और दोपहर में आलू की सब्जी खाई थी। इसी से तबीयत बिगड़ने की आशंका है।

मां ने मोबाइल छीना बेटी ने आत्महत्या कर ली

छिंदवाड़ा। एक हैरान ओर परेशान कर देने वाली घटना सामने आई है, एक 11 वर्षीय मासूम बच्ची ने अपनी मां द्वारा मोबाइल फोन छीनने के कारण फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना कुंडीपुरा थाना क्षेत्र के सिवनी प्राणमोती में हुई। मृतक बच्ची दीपिका धुर्वे कक्षा आठवीं में पढ़ती थी और अपने परिवार के साथ सिवनी प्राणमोती काली बस्ती में रहती थी। उसका परिवार अमरवाड़ा क्षेत्र से आकर यहां बसे थे और मजदूरी का काम करता था। पिता बाहर काम पर गए थे, घर पर मां और दोनों बहनें थीं। दीपिका मोबाइल अधिक चलाती थी, जिसे लेकर उसकी मां ने उसका मोबाइल छीन लिया था। जब बड़ी बहन नहाने चली गई और मां घर के बाहर बैठी थी, उसी समय दीपिका ने अपनी चुन्नी से छत के बांस में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। बड़ी बहन ने जब घर आकर देखा तो दीपिका फांसी पर लटकी हुई थी। परिवार वाले उसे तुरंत अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

अस्थि रोगों से बचना है तो नियमित दिनचर्या हो : आर.एम चांडक

छिंदवाड़ा। नागपुर के सुप्रसिद्व अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. आर.एम. चांडक ने कहा कि लोग मेहनत नहीं करते इसीलिए वे हड्डी के रोग से पीड़ित हैं उन्हें थोड़ा श्रम करना चाहिए और पैदल चलना चाहिए उम्र के हिसाब से खाना भी कम खाना चाहिए और मसाले वाला खाना खाने से कई तरह के रोग होते हैं। डॉ. चांडक स्व. श्याम सुंदर चांडक की स्मृत्ति में आयोजित विशाल अस्थि रोग निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में छिंदवाड़ा आये थे। उन्होने एवं उनकी टीम ने लगभग 500 रोगियों का चेकअप किया और निःशुल्क दवाईयां भी वितरित की। आजकल विशेष रूप से घुटने एवं कमर के दर्द से लोग ज्यादा परेशान हैं इस पर डाक्टर चांडक ने कहा कि लोगों ने श्रम करना छोड़ दिया है जो समय बचा तो वह मोबाईल देखने में जा रहा है। जिससे हड्डी के रोग बढ़ रहे हैं। उम्र के हिसाब से यदि स्वस्थ रहना है तो नियमित दिनचर्या बनानी होगी बिटामिन डी के लिए दवाईयों के अलावा सूर्य की किरणों का फायदा लेना होगा। जो लोग अस्थिरोग से पीड़ित हैं वे प्रतिदिन सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक सूर्य की रोशनी में 15 मिनट से आधे घंटे तक बैठें तो उन्हें बिटामिन डी की कमी नहीं होगी। उम्र के हिसाब से खाना खाएं बजन ज्यादा न हो पर्याप्त प्रोटीन की मात्रा हो और कार्बोहाईड्रेड की मात्रा कम हो। व्यक्ति को रोज सुबह शाम पैदल अवश्य चलना चाहिए रात्रि में खाना खाने के बाद जरूर चलें। खाना रात में जल्दी खाएं।

पोषण आहार पर लगाई प्रदर्शनी... पोषण आहार के महत्व को जाना सीएमसीएलडीपी के छात्रो ने

छिंदवाड़ा। पोषण माह के अंर्तगत महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा जिले मे कुपोषण मुक्त अभियान आंगनबाड़ी केन्द्रों मे चलाया जा रहा है ।इसी कड़ी मे मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद एवं ,महिला एवं बाल विकास खंड परियोजना बिछुआ के द्वारा स्थानीय कालेज परिसर मे पोषण पखवाड़ा के अंर्तगत जन जागरूकता कार्यक्रम विकास खंड समन्वयक दीपक गेडाम रिसोर्स परसन अनु कामोने, एन एम आई एम दिल्ली की छात्रा कु. अक्षिता चौपड़े . पर्यवेक्षक मालती टेंभरे, हार्ट फुलनेश की प्रशिक्षक श्रीमति किरण

चौपड़े,परामर्शदाता श्यामल राव की उपस्थिति मे किया गया। इस अवसर पर श्यामल राव ने उपस्थित जनो को बताया की भोजन कैसे करे, तथा शरीर के विकास के लिए प्रत्येक व्यक्ति को कार्बोहाइड्रेट के रूप में चावल, मक्का, गेहूं, शक्कर, गुड एवं प्रोटीन में दाल, दलहनों, दूध एवं दूध से बनाने वाले दुग्धपादर्थ,मांस, मछली, अंडो वही खनिज पदार्थ एवं विटामिन में सब्जियां ,सतरंगी फल, तिलहन, तेल ,घी से युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए। इससे हमारे शरीर में पोषक तत्वों की पूर्ति की होती है कि जानकारी दी।

बिछुआ के गणेश मठ में आयोजित हुआ 5 कुंडीय श्री गणेश यज्ञ

बिछुआ। नगर के माता मां चौक स्थित गणेश मठ में रविवार से 2 दिवसीय मंदिर स्थापना वर्षगांठ महोत्सव की शुरुवात हुई। महोत्सव के पहले दिन की शुरुवात श्री गणपति महा अभिषेक, पूजन के साथ हुआ। मंदिर में 5 कुण्डीय श्री गणेश महायज्ञ का आयोजन गणेश मठ के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर डॉ वैभव अलोणी के सानिध्य में संपन्न हुआ। महायज्ञ को मुतलाई के पुरोहित पंडित रामचंद्र जोशी के द्वारा विधि विधान के साथ संपन्न कराया गया। श्री गणेश महायज्ञ के आयोजन से सम्पूर्ण नगर में धर्ममय माहौल बना रहा है। यज्ञ के आयोजन से नगर में वैदिक मंत्रोंच्चरण गूंज उठे। इस दौरान मंदिर समिति पदाधिकारी एवं धर्म प्रेमी मौजूद थे।

युवामोर्चा जिला अध्यक्ष राणा ने लाभार्थियों व कार्यकर्ताओं को दिया मोदी का राम राम का संदेश

छिंदवाड़ा। भाजपा प्रदेश संगठन के आवाहन व जिला अध्यक्ष शेषराव यादव के निर्देशन पर भाजपा युवामोर्चा जिला अध्यक्ष योगेन्द्र प्रताप राणा ने भाजपा गाँव बस्ती चलो अभियान के तहत छिंदवाड़ा विधानसभा के सरना मंडल में स्वच्छता अभियान,लाभार्थी संवाद,पैदल रैली,वरिष्ठों का सम्मान व चौपाल जैसे विभिन्न कार्यकर्म किए साथ ही भाजपा केंद्र व प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं से लाभ ले रहे लोगो को मोदी जी व मोहन यादव जी का संदेश पहुचाया। श्री राणा ने कहा कि देश व प्रदेश में ऐसा कोई वर्ग नहीं जिसे भाजपा की योजनाओं का लाभ ना मिल रहा हो पर अब हम सभी को मिलकर नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने में अपना सहयोग प्रदान करना है मुझे मोदी जी व मोहन यादव जी ने आपके पास ये देखने भेजा है की आपको योजनाओं का पूरा लाभ बिना किसी रुकावट के मिल रहा है ।

कौमी एकता की मिसाल है छिन्दवाड़ा जिला

मुस्लिम समाज ने किया गदा यात्रा का भव्य स्वागत

छिन्दवाड़ा। मप्र व देश में छिन्दवाड़ा ने हमेशा ही कौमी एकता की मिसाल पेश की है। एक बार फिर आपसी भाईचारे का संदेश देकर यह साबित कर दिया कि छिन्दवाड़ा अमन पंसद जिला है, जहां जात पात नहीं बल्कि प्रेम व भाईचारे की भाषा बोली जाती है। सभी धर्म का सम्मान व आदर किया जाता है। होली, दीपावली व हनुमान जन्मोत्सव हो या फिर ईद सभी मिलजुलकर मनाते हैं। एक दूसरे को बधाई व शुभकानाएं देते हैं। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री माननीय कमलनाथ जी एवं जिले के पूर्व सांसद माननीय नकुलनाथ जी ने सामाजकि सदभाव व सौहादर्य को कभी बिगड़ने नहीं दिया। उन्होंने आपसी प्रेम व भाईचारे को बढ़ाया, जिसका परिणाम है कि छिन्दवाड़ा ने हमेशा ही कौती एकता का परिचय दिया है और एक बार फिर मिशाल कायम की। मारुति नंदन सेवा समिति सिद्ध सिमरिया धाम के तत्वावधान में श्री हनुमान जन्मोत्सव पर निकाली गई गदा यात्रा का मुस्लिम समाज के लोगों के द्वारा पूर्ण उल्लास व उत्साह के साथ स्वागत किया।

डॉ आंबेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भीम जन्मोत्सव का हुआ आगाज

छिन्दवाड़ा । संविधान के शिल्पकार डॉ.बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर भारतीय बौद्ध महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष एड रमेश लोखंडे, जिला उपाध्यक्ष एड राजेश सांगोडे, संयोजक सुभाष गोंडाने, संघटक वसंता सोमकुंवर,एड प्रशांत गजभिए,जयश्री सोमकुंवर, वंदना सोमकुंवर ,ममता लोखंडे छात्र संघ अध्यक्ष नीलेश माण्डेकर, प्रवीण पाटिल , कमलेश जी डेहरिया ,हर्षित बेलवंशी शंकरलाल कवरेती प्रेमपुजरी मिनोटे बबन सोमकुवर, सहित कई उपासक उपासिका एवं भीमसैनिको द्वारा डॉ आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण ,पंचशील ध्वजारोहण, सामूहिक बुद्ध वंदना कर डॉ आंबेडकर जयंती समारोह पर मोमबत्ती प्रज्वल्लित कर केक काटकर गगनचुंबी जयभीम के नारे लगाकर भीम जन्मोत्सव का आगाज किया बौद्ध उपासक उपासिका अम्बेडकरी अनुयायियों की उपस्थिति में डॉ.आंबेडकर प्रतिमा स्थल को पंचशील धम्म ध्वज,नीले ध्वज,रंग बिरंगी प्रकाश किरणों से सजाया गया, इस अवसर पर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को सम्बोधित करते हुए कहा की 14 अप्रैल को सुबह 10 .30 बजे से डॉ आंबेडकर तिराहे पर समारोह में पूर्व राज्यपाल महामहिम सुश्री अनुसुइया उइके के मुख्यातिथ्य एवं सांसद विवेक बंटी साहू,महापौर विक्रम आहाके, जिला अध्यक्ष डॉ शेषराव यादव, साहित्यकार एस.आर.शेंडे,कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक अजय पांडे के विशिष्ट आतिथ्य में विशाल डॉ आंबेडकर जयंती समारोह पर प्रदेश उपाध्यक्ष एड.रमेश लोखंडे ने जिले के तमाम उपासक उपासिका एवं भीमसैनिको से भारी संख्या में उपस्थित होने की अपील करते हुए कहा कि तथागत भगवान बुद्ध एवं डॉ बाबासाहब आंबेडकर के विचारो पर चलने हेतु आव्हान करते हुए डॉ आंबेडकर द्वारा रजिस्टरड संगठन भारतीय बौद्ध के तत्वाधान में नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र में डॉ आंबेडकर जयंती समारोह हर्षोउल्लास के साथ मनाये जाने की अपील की है

भाजपा जिलाध्यक्ष गांव-बस्ती चलो अभियान के अंतर्गत केवलारी पहुंचे

बूथ कमेटी वोट लेने के लिए नहीं हैं, बल्कि ये भाजपा के सेवा कार्य की बूथ स्तरीय व्यवस्था है:शेषराव यादव

छिंदवाड़ा। भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव गांव- बस्ती चलो अभियान के अंतर्गत रविवार को सारना मंडल के गांव केवलारी पहुंचे। भारतीय जनता पार्टी ने 6 अप्रैल 2025 को अपना 46 वां स्थापना दिवस मनाया इस अवसर पर पार्टी द्वारा पूरे प्रदेश में छः सूत्रीय कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इन छः सूत्रीय कार्यक्रमों में से गांव-बस्ती चलो अभियान के अंतर्गत जिले के सभी प्रमुख भाजपा नेताओं को गांव आवंटित किए गए हैं, जहां जाकर उन्हें सेवा कार्य करते हुए स्थानीय निवासियों एवं विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से संपर्क कर उनके साथ योजनाओं की जानकारी साझा करना है।

शुभंकर भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने केवलारी पहुंचकर बूथ कमेटी की बैठक ली, बंजारी मंदिर, ग्राम के स्कूल और गलियों में स्वछता अभियान चलाया एवं प्रधानमंत्री आवास और भूमिहीन योजना के लाभार्थियों से मुलाकात कर योजना की जानकारी साझा की। भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने सभी भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा का झंडा लेकर गांव की गलियों में यात्रा निकालकर सेवा पखवाड़ा मनाया।इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव के साथ ग्राम सरपंच इंद्रभान साह, चंद्रभान उइके, भारत साहू, रूपसिंह पटेल, जिला आईटी सयोंजक दीपक कोल्हे, भरत घई, राहुल ऊईके, प्रमोद शर्मा, विजेंद्र चौहान, माइकल पहाड़े, कृपाशंकर सूर्यवंशी, अनीश पटेल, निमेश पटेल, नरेश ठाकुर, तरुण सोनी सहित भाजपा कार्यकर्ता एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

चौपाल लगाकर सांसद ने की ग्रामीणों से चर्चा

मंदिर में की साफ-सफाई, आंगनबाड़ी पहुंचे, योजनाओं की समीक्षा की

छिंदवाड़ा। भाजपा के गांव,बस्ती चलो अभियान के तहत सांसद ने रविवार को ग्राम मोआदेई पहुँचे यहां उन्होंने सबसे पहले स्वच्छता अभियान के तहत गांव के श्री हनुमान खेड़ापति मंदिर पहुँचकर साथी कार्यकर्ताओं के साथ मंदिर परिसर में साफ-सफाई कर पूजा-अर्चन किया। इसके बाद वे गांव की आंगनबाड़ी पहुँचे और वहां बच्चों को दुलार कर उन्हें और माताओं से मिलकर उन्हें मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी दी। उन्होंने हितग्राहियों को मिलने वाले पोषण आहार सहित अन्य योजनाओं की जानकारी भी ली। इसके बाद गांव में संवेदनशील सांसद ने गांव में महिला चौपाल लगाई। और उनसे विस्तृत चर्चा कर उनका कुशल क्षेम पूछते हुए योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी ली। विस्तृत चर्चा के दौरान ग्रामीणों ने कई महत्वपूर्ण बातों से सांसद साहू को अवगत कराया। आत्मीय भाव से श्री बंटी विवेक साहू ने पूरे इत्मीनान के साथ ग्रामीणों से सार्थक चर्चा की। तद् उपरांत वे गांव में बूथ समिति की बैठक में सम्मिलित हुए और कार्यकर्ताओं से चर्चा कर उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पार्टी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों की जानकारी लेकर कार्यकर्ताओं से संगठन के काम में पूरे समर्पण भाव से जुटने का आहवान किया।

कार्यक्रम में यह रहे प्रमुख रूप से उपस्थित

इस अवसर पर पूर्व जिला महामंत्री राजू नरोटे, मंडल अध्यक्ष रमाकांत पटेल, जनपद सदस्य सुशील गोलू चौधरी, राजकुमार अहिरवार, वरिष्ठ भाजपा नेता संतोष पटेल, पूर्व मंडल अध्यक्ष रोहित पोफली, अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष रिजवान कुरैशी, दिनेशकांत मालवीय, विश्वेन्द्र बैस, शक्ति केन्द्र प्रभारी बलवान चौरिया, सरंपच श्रीमती निधि सूर्यवंशी सहित अन्य पदाधिकारी एवं पार्टी कार्यकर्ता तथा ग्रामीणजन उपस्थित थे।

युवाओं को मिल रहा मल्टीनेशनल कम्पनियों में प्रशिक्षण का अवसर

छिन्दवाड़ा। प्राथमिक शिक्षा व उच्च शिक्षा के उपरांत रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण वर्तमान परिदृश्य में नितांत आवश्यक हो चुका है। तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरांत रोजगार के द्वार खुल जाते हैं और यही प्रशिक्षण अगर किसी बहुराष्ट्रीय (मल्टीनेशनल कम्पनी) से प्राप्त हो तो युवाओं का भविष्य संवर जाता है। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं जिले के पूर्व सांसद माननीय नकुलनाथ जी के प्रयासों से छिन्दवाड़ा संसदीय क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को निरंतर बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के माध्यम से प्रशिक्षण प्राप्त हो रहा है।

वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स एसोसिएशन मप्रजिला शाखा छिन्दवाड़ा की बैठक

छिन्दवाड़ा। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स एसोसिएशन म.प्र.जिला शाखा छिन्दवाड़ा के अध्यक्ष मीर जाहिद अली एवं उपाध्यक्ष के.एस.सेंगर ने बताया कि दिनांक 13 अप्रैल 2025 दिन रविवार दोपहर 12:30 बजे स्थान जनसेवा सदन भवन शिवनगर कॉलोनी में बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें एसोसिएशन के संरक्षक पंडित राम शर्मा एवं आर.एस.कुशवाह वृक्षमित्र की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में जिले को वन एवं पर्यावरण ,जैव विविधता के उत्कृष्ट कार्य के लिये वर्तमान में म.प्र.सरकार ने दो लाख रूपये की राशि भेंट की जिले का नाम रौशन करने के लिये आर.एस.कुशवाह का शॉल ,श्रीफल से स्वागत किया गया इन्होंने बैठक को संबोधित करते हुये दिनांक 26 मार्च 2025 को पेंशन के अधिकार को पेंशनरों के संवैधानिक अधिकार को चुनौती देने वाला नियम पारित होने पर महामहिम राष्ट्रपति ,प्रधानमंत्री ,मुख्यमंत्री को सभी पेंशनर्स एक -एक पोस्ट कार्ड लिखकर इस नियम को वापस लेने का आग्रह करना चाहिये। इस प्रकार टी.एस. तुरकर अध्यक्ष जिला अभियंता संघ ने भी उग्र आंदोलन करने तथा क्रमिक भूख हड़ताल जिले के पेंशनर्स संगठनों के साथ मिलकर करने का आव्हान किया तथा 30 जून एवं 31 दिसम्बर को सेवानिवृत्त होने वाले पेंशनर्स को एक काल्पनिक वेतनवृद्धि देने के आदेश मुख्यमंत्री द्वारा जारी किये गये है इसकी कंडिका 3/4 में विभागीय अधिकारियों को दिशा निर्देश जारी कर पात्र पेंशनरों को वेतनवृद्धि दिये जाने का निर्देश है परंतु कुछ विभाग द्वारा अभी भी दिशा निर्देश के आदेश के अभाव में जिला पेंशन /कोषालय कार्यालय से प्रकरण वापस किये जा रहे है इस ओर भी दिनांक 26 अप्रैल 2025 को प्रांतीय कोर कमेटी एवं मार्गदर्शन कमेटी की बैठक में आज की बैठक में लिये गये निर्णयों से अवगत कराया जायेगा। आज की बैठक में बी.एन.विश्वकर्मा ,हरिचरण पटवारी ,जी.एस.साहू ,मो.इसराइल ,एच.आर.अहिरवार ,एस.एम.अली ,शेख जब्बार ,सगीर अहमद, सैयद अशरद अली ,जागेश्वर डोमने ,शेख वहीद खान ,एफाज हुसैन ,शेख मजीद ,एस.के.सोनी ,अभिनय शुक्ला ,आर.एस.वर्मा ,रामराव ,एस.एन.खुदेरेजिया आदि पेंशनर्स आदि पेंशनर्स भारी संख्या में उपस्थित रहे ।

कलेक्टर ने ब्लू बेरी फसल का किया अवलोकन

चौरई के ग्राम देवरी में बन रहे ब्लू बेरी के दूसरे प्लांट का भी किया अवलोकन

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह द्वारा आज जिले के विकासखंड अमरवाड़ा में हो रही ब्लू बेरी की फसल का अवलोकन किया गया। साथ ही अमरवाडा ब्लॉक में डी.जे. एग्रोविजन प्राइवेट लिमिटेड के चिमऊआ फार्म का भ्रमण भी किया गया। जिले के अमरवाडा ब्लॉक में लगभग 135 एकड़ में ब्लू बेरी की सफल खेती की जा रही है। जिले में रकबा बढ़ने की और भी उम्मीद है । इसके बाद उन्होंने चौरई के ग्राम देवरी में बन रहे ब्लू बेरी के दूसरे प्लांट का भी अवलोकन किया। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अग्रिम कुमार, एसडीएम अमरवाडा हेमकरण धुर्वे, एसडीएम चौरई प्रभात मिश्रा, उप संचालक उद्यान एम.एल. उइके, वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी सुबोध ठाकरे एवं डी.जे. एग्रोविजन प्राइवेट लिमिटेड के मालिक श्री जीतेन्द्र लोहानी व कंसलटेंट मर्चेलो व टीकाराम चंद्रवंशी सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती करेंगे भगवान शिव की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा

17 अप्रैल से 19 अप्रैल तक तीन दिवसीय कार्यक्रम

छिंदवाड़ा। अनंत श्री विभूषित पूज्यपादद्वारकाशारदापीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री सदानंद सरस्वती जी महाराज का तीन दिवसीय दिव्य प्राण प्रतिष्ठा और मंदिर लोकार्पण समारोह में आगमन होने जा रहा है। देवभूमि डेवलपर्स परिवार के तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी महाराज मंदिर में भगवान शिव की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा करेंगे। 17 अप्रैल से 19 अप्रैल तक तीन दिवसीय कार्यक्रम श्री नंदन हिल्स चौखड़ाढाना, हिंदूस्तान यूनिलीवर के आगे नरसिंहपुर रोड में आयोजित होगा। कार्यक्रम के संबंध में जानकारी देते हुए देव भूमि डेवलपर्स उज्जवल सूर्यवंशी, बकुल मिगलानी, दीपक देवांगन ने बताया कि परमपूज्य शंकराचार्य जी स्वामी सदानंद महाराज का आगमन 17 अप्रैल को शाम 4 बजे होगा जिनके स्वागत के लिए चौरई से लेकर आयोजन स्थल तक अलग-अलग स्वागत द्वार तैयार किए जा रहे हैं जहां पर भक्तों द्वारा शंकराचार्य महाराज स्वामी सदानंद जी का स्वागत किया जाएगा।

हर दिन होंगे सत्संग और प्रवचन

रितेश चौरसिया और लक्की चौहान ने बताया कि 17 अप्रैल से 19 अप्रैल तक तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा और मंदिर का लोकार्पण समारोह में शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती महाराज मुख्य रूप से शामिल होंगे। वह 18 और 19 अप्रैल को सुबह 8 बजे भक्तों को दीक्षा देंगे इसके अलावा रोजाना परिसर में शाम 5 बजे से महाराज जी द्वारा प्रवचन और सत्संग भी किया जाएगा। आयोजन स्थल पर 5 हजार से अधिक लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है जबकि पार्किंग की व्यवस्था भी आयोजन समिति द्वारा की जा चुकी है।

एक शाम महाकाल के नाम

देव भूमि डेवलपर्स परिवार द्वारा 19 अप्रैल शनिवार को श्री नंदन हिल्स में विशाल प्रसादी भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर भजन संध्या का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया है जिसमें उज्जैन के प्रख्यात भजन गायक महाकाल की गुलामी फेम किशन भगत अपनी प्रस्तुति देंगे जबकि आयोजन स्थल पर भव्य मेला और प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है।

भारत के संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जयंती पर सादर नमन

उद्यमिता की शक्ति लाएगी समृद्धि

डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना

25 दुधारू पशुओं की डेयरी इकाई लगाने के लिए

₹42 लाख तक ऋण सहायता

पात्रता - 3.50 एकड़ कृषि भूमि एवं डेयरी फार्मिंग में प्रशिक्षण

सब्सिडी 25% से 33%

पहले आएं, पहले पाएं पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करें

- **मुख्यमंत्री उद्यमिता कार्यक्रम के अंतर्गत-** पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहन, डेयरी किसानों की आय में वृद्धि और डेयरी क्षेत्र में रोज़गार के नए अवसरों का होगा निर्माण।
- **उन्नत नस्लों से बढ़ेगी आय -** भ्रूण प्रत्यारोपण कार्यक्रम और बांझ निवारण शिविरों के माध्यम से पशुओं की नस्ल सुधारने के कार्यक्रम।
- **मुख्यमंत्री डेयरी प्लस कार्यक्रम -** किसान आधुनिक डेयरी तकनीक और बाजार से जुड़ेंगे।
- **उत्कृष्टता को सम्मान -** प्रदेश की सर्वश्रेष्ठ गौवंशीय और उन्नत नस्ल की दुधारू गायों के लिए पुरस्कार कार्यक्रम।
- एक हितग्राही को अधिकतम आठ इकाइयां लगाने की पात्रता होगी।

प्रदेश में गौ-पालकों और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए "डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना" शुरू की जा रही है। गौ-माता की सेवा हमारी संस्कृति एवं संस्कारों का अहम हिस्सा है। हमने यह वर्ष गौ-माता की सेवा को समर्पित किया है।

प्रदेश में गौ-शालाओं के माध्यम से गौ-सेवा की नई इबारत लिखी जाएगी और नई दुग्ध क्रांति लाई जाएगी। स्वावलंबी गौ-शालाओं की स्थापना नीति-2025 के तहत पंजीकृत गौ-शालाओं के गौ-वंश हेतु अनुदान अब ₹20 से बढ़कर ₹40 प्रति गौवंश प्रति दिवस मिलेगा। हमारा प्रयास है कि दुग्ध उत्पादकों को दुग्ध के बेहतर दाम मिलें, इस दिशा में हम तेजी से प्रयास कर रहे हैं।

-डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

डॉ. भीमराव अम्बेडकर अभ्यारण्य के रूप में सागर जिले में 258.64 वर्ग किमी क्षेत्र में प्रदेश का 25वां अभ्यारण्य घोषित।

वन्य जीवन एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए अहम निर्णय।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

D-11011/25